૭૫૩૬

श्री

व्रजयात्रा

व्रज चौरासी कोसनी परि
क्रमांनी संख्या हसजहूर

मायरी

मुन्शी कन्हैयालाल

छने

मथुराये

मतजल्ल छपाई मेछापी

लेपिरथी

मुंबईमां

आंगे टाउन प्रेसमां छापी शके

શ્રી [illegible]

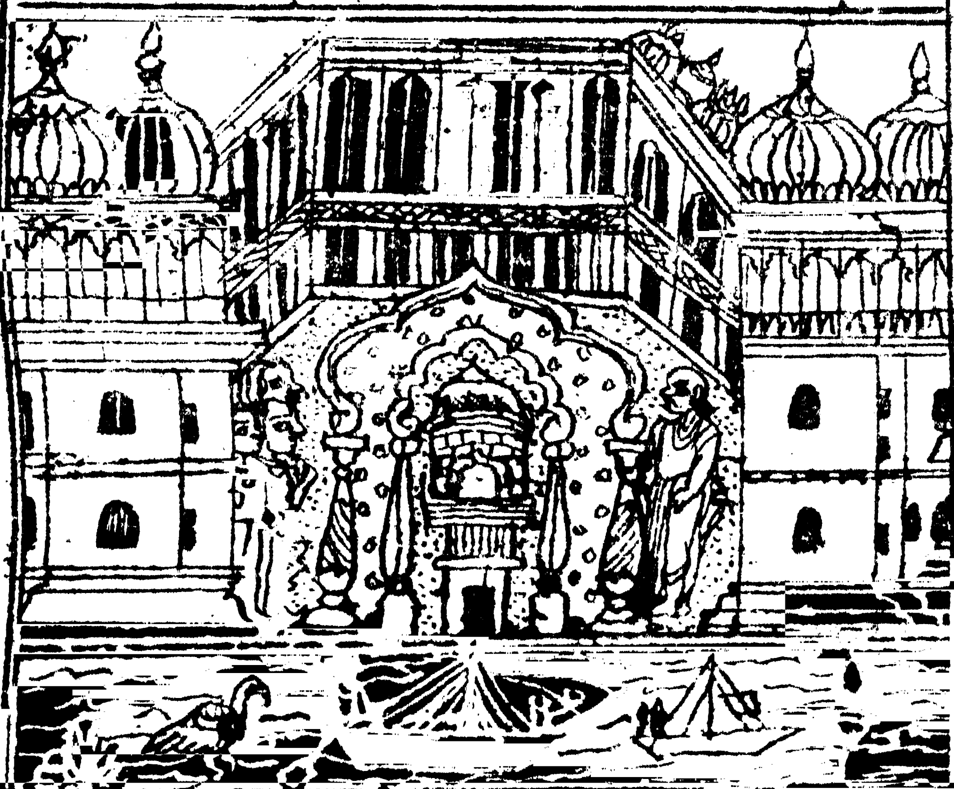


श्रीगणेशायनमः॥ श्रीगोपीजनवल्लभाय
नमः॥ अथ वनयात्रापरिक्रमा ब्रजचौरासीको
सकी लीख्यते॥ प्रथम श्रीगुसाँईजीकु [redacted]
गोकुलनाथजी अपने सेवकन सों कहत हैं सो
संवत् १६०० भाद्रपद वदी १ परकोसेंज आरती



करीकें पाछें श्रीगुसाँईजी मथुरा पधारे सबकुं
परिक्रमा करी जेकों सो त [redacted] म रा
जीमें श्रीकृष्णजूको प्राग[illegible] भयो है ताहां करा

गृह कौ ठोर है, तहां श्री मथुराजी में विश्रांती घा
ट है. तहां कंसकौ मारिकें श्रीकृष्णने विश्राम कियो
है. तहां श्री आचार्यजी महाप्रभून की बैठक है. त
हां ठाकुरजी स्नान करीकें श्रमजलपान कियो है. त
हां सब महासुख पाय भक्तजनने श्री ठाकुरजी की
वीनती करिपें है तातें विश्रांती घाट मुख्य है.



ताहांजलकुंड घाटहै ताकेउपरसत्तधारा है ताहां
ग[redacted]है ताहांभोगघाटहै तहांभो
गघाटहै तहांरामेश्वर महादेवजीकोस्वरूप
है ताहांधाम घाटहै तहांकुबेर बैठेहै तहां
तीदुइ नामतीर्थहै तहांगंगाजीघाटहै तहांसू
र्यथा[redacted]पवीत्रहै तहांकु नेतपस्या
कीनीहै तहांसमरूषीनकोदीसोहै तहांसम
रूषीननें तपस्याकीनीहै तहांकोटीतीर्थहै त
हांतेत्रानकोटीसोहै [redacted] मनने तपस्याकी
नीहै ताकेआगें भुधीतीर्थहै तहांतें आगें रंग
भूमीहै तहांकुवलयापींडकीठौरहै तहांनां
यधनुषतोरयोहै तहांचाणूर मुष्टिक म
मारेहै तहांकंसको मारी उग्रसेन को राजती
लककियोहै सो तहांतें रंगेश्वर महादेवजी
को स्वरूपहै ताकेपास सप्तसमुद्रकूपहै ताके
आगें दलदलकुंडहै ताके

देवजीकौस्वरूपहै ताकें आगें पोतराकुंडहै ताके
पासेंईशायरायजीकौमंदिरहै तहांईषणकूपहै ता
कें आगें कुंजककूपहै ताके आगें महापदिर देवी
कौस्वरूपहै सोस्वरूपपांडवनकौस्थापितहै
ताकें आगें सरस्वतीकुंडहै तहांतें आगें उत्तर-
कोटीतीर्थहै ताके आगें गोकर्नेश्वरमहादेव
जीकौस्वरूपहै ताहांगोतमऋषीनकी समाधी
है तहांतें आगें सरस्वतीसंगमहै तहांतें आगें
दसाश्वमेधकौ [illegible]है तहां अंबरीषकौ टीलो है-
ताके आगें कृष्णगंगाकौ घाटहै ताहां ज्येकोई म
नुष्य मलशुद्ध करिकें स्नान करे तोपाकौ कोढना
शहोय सुंदरदेहीपावे ताके आगें सोमतीर्थहै
तहां घंटाभरनहै ता[illegible] पास [illegible]तीर्थहै तहांतें
जेकुं[illegible] घाटहै तहांतें [illegible] आगे गो
घाटहै ताके आगें पारा[illegible]सेश्वरहै ताके उपर पाराडजी
कौस्वरूपहै तहां जसताकुंडकौ घाटहै त[illegible]तें श्री

पतास कुंड है यह श्री मथुराजी की परिक्रमा में ग्राम है



ताहांपाछे मधुवनहै.

ताहांश्री ठाकुरजीनें गोचारणलीला करीहै ताके पासमें कुंडहै ताहां कुंडके पश्चीम दिसाकुं छंदा केलीये श्री आचार्यजी [redacted]की बैठकहै ताहांमें [redacted]को मार्योहै ताहां मधुदैत्यकों मारी कें जाम्हांकों करेकें ठार्योहै सहं [redacted] जीको मंदीरहै.



ता पाछे तालबन है.

ताहां तालवृक्ष बलराम सहित श्रीगोवर्धनधरणजें आयेहै. तहां धेनुकदैत्यको मारयोहै.



तापाछें कुमोदबनहै. तहां कदली क्यारी जेहार डीहोरी. तहां लक्ष्मी [illegible] कुं मदनमोहनजे सुख दियेहें. तहां नाना प्रकारके सींगार कीये हैं. तहां स्यांमसतमालकुं नीये श्रीआचार्यजी महाप्रभूनकी बैठकहै ताहां कुं पौलदेवजी श्रीठाकुरजी हो मंदीरहै ताहां जेवु नाटको है [illegible] कुलकर करीके प्रत [illegible] नको

जुलायेहै तांहां जल लाके आदुवैकें खायेहै.

ए ह कृष्णाह जल दीनो लोहै.



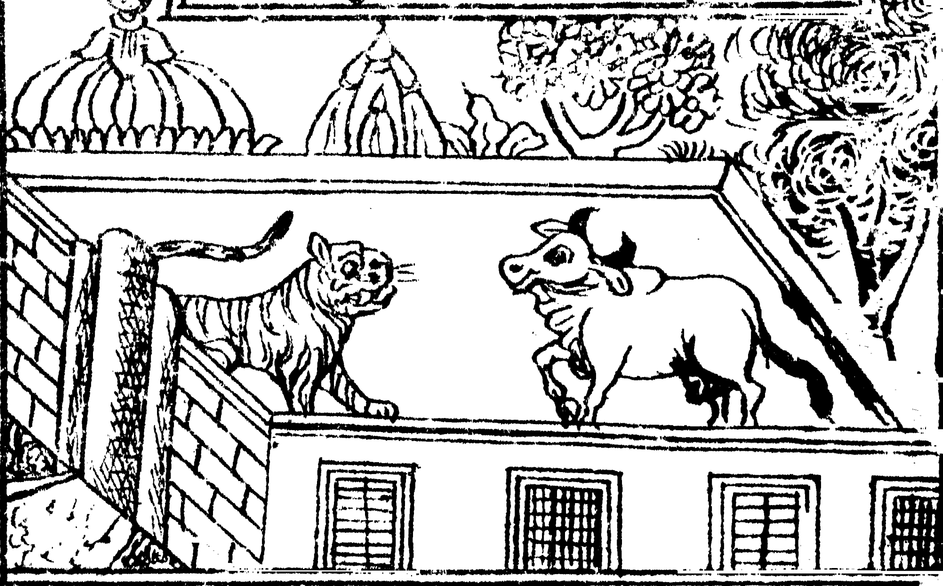
तापाछें संतनकुंडहै - तहां सांतनराजानें जो पर
धानदीयाहै तब श्रीठाकुरजी सातनर्षिकुं ते तहांसु
प्रजा भोगधरयोहै याकों जासें ... दीयोहै के
जातें पुत्र होयगो सो हरी लक्ष होयगो.



तेंहु आगें अकुलाजलौहे.

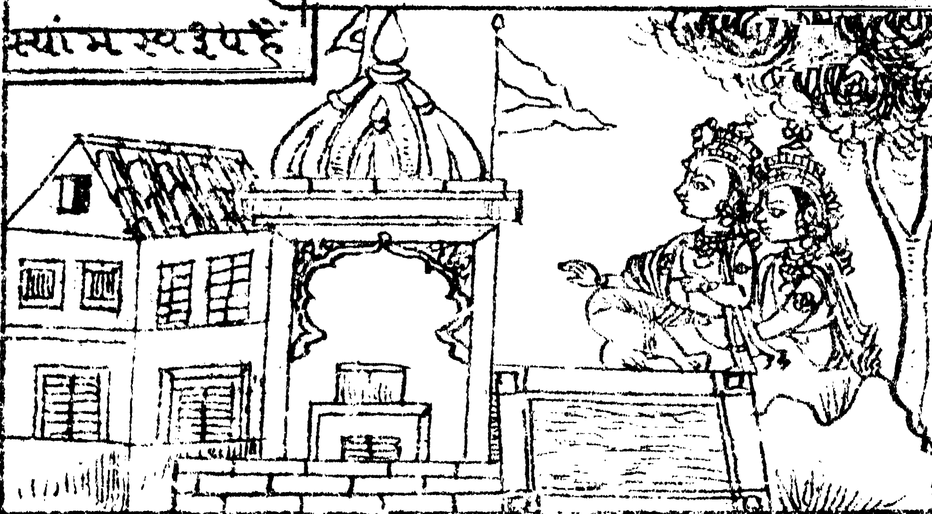
तहां कृष्णकुंड ग्राम है तहां गाय सींघ को मीलापरम
यो है सो सींघनें गाय कूं मारी लाकीं तहां अकुलाण
वको मंदीर है तहां श्रीअजयरघुरीर्षि दासी को महप
लौहे ताकीं कौं पुण्य करें और जे कूं गाय देताकों
हउर गायरीके को पुन्य होय और मन शुध
षीहें मांगे सो पावे ताहां कुंडके पास उत्तर दीसा
डके नीचे श्री आचार्य जी मह[illegible] है

यह अकुलाजलकी लीला है.

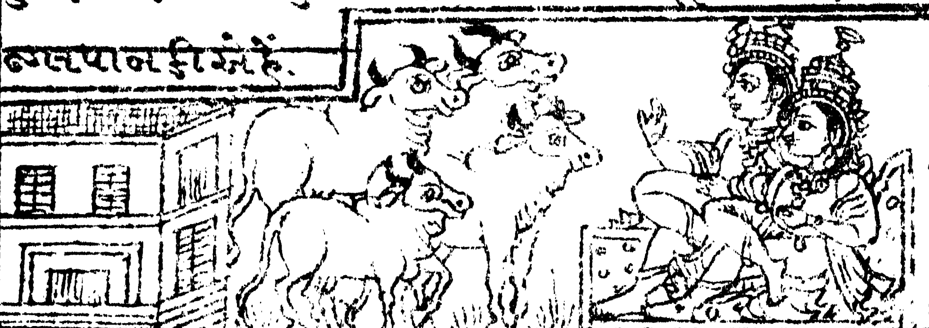


तापाछें जखीनगांम है.

ताहांश्रीबलदेवजी कौ मंदिर है ताहांरेणुकुंडहै त
हांबलभद्रकुंडहै तहांतें स्वरूप प्रगटे है सो दोनों
स्यांम स्वरूप हैं



ताहांतें आगें तोष गांम है—ताहांश्रीठाकुरजी गाय
चरावत हीं आये हैं सो श्रम भयौ है ताहां तोष
कुंडहै ताहांश्रीठाकुरजी ग्वालनकौ श्रम दूरि कीयो है ताहां
जलपान कीयो है.



ताहांते आगें कृष्णकुंड राधाकुंड धाम है.

ताहां कृ[redacted] कृपदि अष्टमी मों अर्धरात्रिके समय

औ[redacted] तीर्थ तांहां पधारत हे ताहांस्नेतास्नान

[redacted] करे तीनकों सर्व तीर्थ के स्नान करी अेको

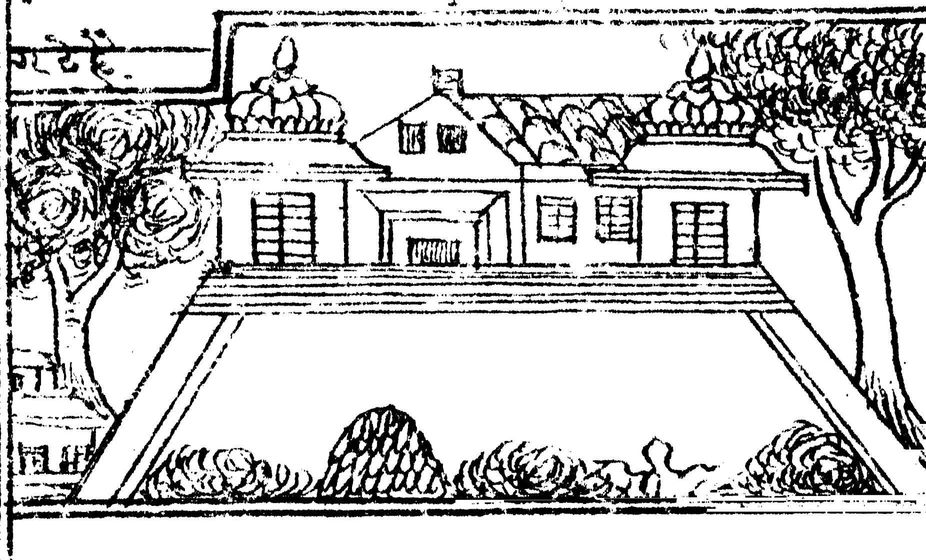
फल होत हे और मनो कामना पूरीकुं स्नानदानक

रे तीनकों सर्व तीर्थ के स्नान करी अेको फल होय स

पे मनोरथ ना सिद्धि थाय



ताके पास सरसनी ताकुंड है ताहां चरनकदंब है ताहां
पक्षमें कुटकुंका दर्शन है ताहां कृष्णपद है ताहां
श्रीपमहीडोरा कृष्णहें ताहां गिडिघाट है ताहांसें
श्रीआचार्यजी महाप्रभूनकी बैठक है ताहां श्री
गुसांईजी की बैठक है ताहां श्री गोकुलनाथजी की
बैठक है ताहां पांचो पांडव के घर हैं ताहां श्री
नारायणको घर हैं ताहां नारायण कुंड है.
ताकुं आगें कुसुम सरोवर है - ताको नाम कुसुम
वन है ताहां [illegible] होयके रहे हैं ता
[illegible] है ताहांसें श्रीगोवर्धन प्र
गट है.



ताके आगें मानसीगंगा है.

ताहां चक्रतीर्थ है ताहां छोंकर नीचे श्रीआ-
चार्यजी महाप्रभुजी [redacted]
ठकुंडके पास है ताहां श्री आचार्यजी महाप्र
भु संध्या वंदन करते ताके आगें गोरज चीन्हके
दर्शन है.



ताहां जनछोंगा है.

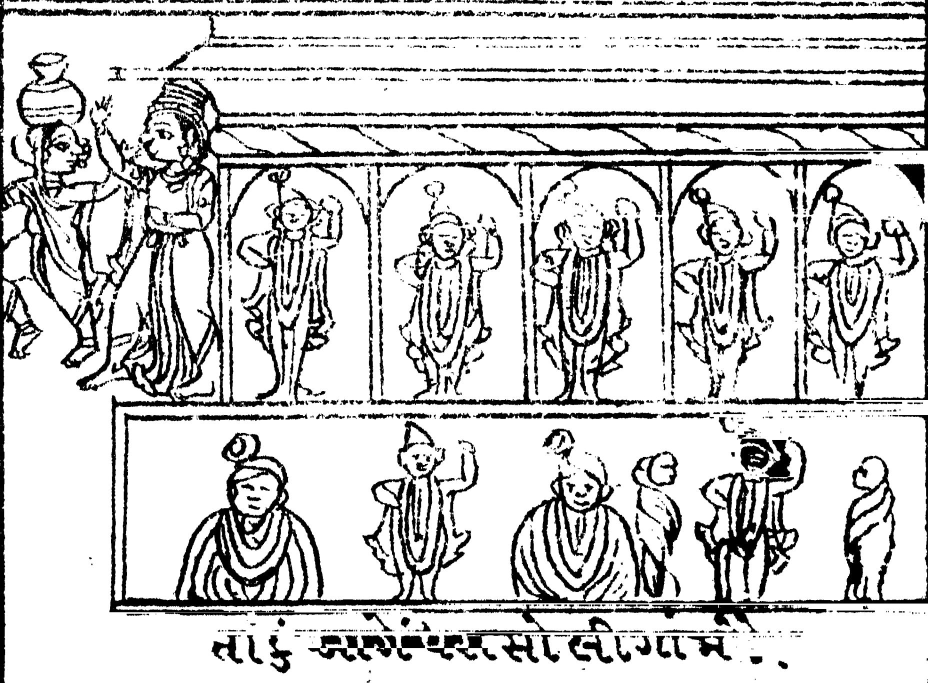
तीनकी ओरतें श्रीरायजी श्रीयसोदाजी श्री
ठाकुरजी श्रीबलदेवजी आये हें जसे है ताकें प
स जन्य कुंड है ताहां ज्ञानकुंड है ताहां श्रीगु

साक्षीहु नीत्यन्हाय जेइं पधारते ताहां ब्रह्मा
ने आयके स्तोत्र करी है ताहां [illegible] पोइ
री है.



ताकेउपर श्री हरिदेवजीको मंदीर है ताहां सांकघा
री है ताहां दानी रायजीको मंदीर है ताहां गोप
ई नगांम है ताहां च्यारो कुंड है रीण मोचन य
ईरोचन पाप मोचन धर्म गो रोचन ये च्यारयें
घाट है ताकें आगें जमुनापनो गांम है ताहां
श्री यमुनाजीको घाट है ताहां ते रजडी गांम है
ताहां [illegible] है सो [illegible]

कुंडहै ताहां ललपा[illegible]
सहित श्रीठा) आरोगे हैं तहां [illegible]
देपकु[illegible]ीर है तीनके पास मोहरीकुं
डहै ताहां मोर जल है तहां [illegible]ोर स्नाहीना
ना यकुंरके पशी गुंजार करत है.



ताकुं [illegible]सोलीगामे .



तहां पेरा सोली जरहे चंद्रसरोवरहे तहांत्र
हरजी करीकें रासकीजे तहां छः महि
नाकीयती करी हें ता [illegible] मत्तन तो सुष
[illegible] हें [illegible] कुंजमें श्री आचार्य [illegible] म [illegible] म
हूनकी बेठक हे तहां श्री गुसांईजीकी बेठ
क हे [illegible] श्री गोकुलनाथजीको बेठक हे तहां
श्री गुसांईजी महीना छः [illegible] रीकें पीअ योगर
[illegible] हें तहां कोठाहे सोकुं
[illegible] हे [illegible] म [illegible] कुं रामदास हाथ पठा
यते आप योग [illegible] रीकें आप पीकुं सकुं स्सिप
[illegible] तां जे [illegible] रास मंडलकुं चोत
रा हे तहां शृंगार मंदिर हे.



ताके पास पैठो गाम है.

ताहां गोवर्धन धरी बेठे हें ब्रजभक्तसखा
जेहे. और श्री ठाकुरजी आपने हैं पछेस
हीत आये हें तहां शृंगार [redacted] होहें.



ताके आगे आन्योर है.

तहां सद्दू पांडे के घरमें श्रीआचार्यजी महा
प्रभूनकी बेठक है. ताहां सं दर्शण श्रीनाथ
दयजी कीतीथी हे तहां नंदकी कोलाय सुंदर

है ही थापे तहां चरनचौकहे दर्शनहै त
हां गंधरपकुंड है श्रीजीनें ताहां गानकी
येहै ता [illegible] कुंड है तहां जलसी
ज्या [illegible] ठौर है तहां श्रमजलउजिरहै तहां
श्री [illegible] चार्य जी महाप्रभून की बैठक है त
हां श्री ठाकुरजीके हसताक्षर है तहां टोपी
की दर्शन है तहां चतुरानागके पास श्री
जी [illegible] है त [illegible] अपसराकुंड है त
हां गोपी तेरै चा है त [illegible] गोपालसागर है
ताके सनमुष श्री ठाकुरजीको लघरा है
तहां सातों स्व [illegible] पन स [illegible] श्री [illegible] जल
[illegible] है तहां [illegible] कुंड है तहां [illegible]
की [illegible] है त [illegible] लत्तन स [illegible] त ज
[illegible] हैं गाय चराई हैं तहां [illegible] रकी ठौ
रहे ताके पास [illegible] गंधी सा ला है तहां गा [illegible]
[illegible] जीडकु है तहां श्री ठा [illegible] रजीके पांहुक [illegible]

है ताहां श्री [redacted] कुलनाथजी संध्या वंदनकेप
नी [redacted] और सो घासन ध
री यां है ताहां ईन्द्र आये सुरभीले पायन
पर्यो है तहां श्री ठाकुर [redacted]
री है [redacted] गो पी
तां जर [redacted] ायो है ता ं श्री ठाकुरजी ने पा
ग [redacted] री-
जन मित्रनके साथ से ले है तहां सुरभी
गायनके [redacted] तहां मेरापती हाथी के
पांय है [redacted] रजी के चरन कीन्हे
है सो तहां सांदुरी [redacted] तहां सखी
न [redacted] ता
हां पालन्नीसीला है ताके नीचे सुरभी
कुंड है.



तहां हुं छरोगांमहै.

तहांरामदासकी गुफाहै ताकुं आगेंगोवर्धनीं

हस्वामीकीकुं जकोंकीहै तहांगोवर्धन

की कुंदराहै तहां बालाजमकारकी जोरलाइ

रतहे तहां गोलाप्रकारके सुंदर कुंज
नकों धोकेहै तहां श्रीगुसांईजन की साम्ना
धीहे तहां श्रीजीकी आज्ञा गायनकों नंदी
ड हे तीनके पास श्री गोवर्धनपूजन की ठौ
रहे तहां ते श्रीजी प्रगट होयके श्री आचा
र्यजी महाप्रभुनके सनमुख पधारे हे तहां
छोकर नीचे श्री आचार्यजी महाप्रभुन
की बेठक हे तहां श्री[redacted]र्यजी महाप्रभु
जी राजे हे तहां श्री नाथजीने कि
आज्ञा करी हे तहां [redacted] र्यजी महा
प्रभुनने हस्त कों से
नकों सज राखे हे तहां सुंदर
साला हे तीनके [redacted] र्धन नाथ
जीको मंदिर हे तीनको सनमुख जूठ आ
जूको स्वरूप हे [redacted] ाकुरजी
को चोंतरा हे तहां श्री श्रीस्वा

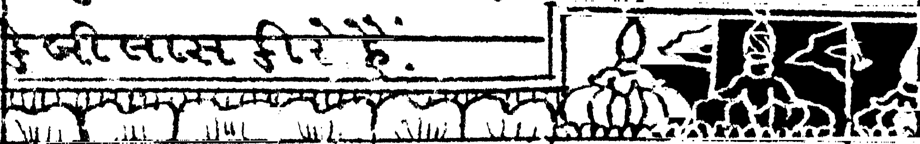
मीनोकु श्रीमानीहै तां सगर अनमतकुं
गारकु रहे हैं पुजाकरे है तहां श्री नाथु रानीजीके
तीनोंने उत्सव मान्यो है तीनके आगे एक ज्य
सीक्यारो है तहां छडोतो खीलता है [redacted]
लड्डु सींगपोरी है.



ताकुं जोषें गोपालपुरगांमहें.

तहां सातों स्वरूपनके सात मंदिरहे सो गप
ल्लूर [illegible]गेके संग [illegible]
[illegible]के पास श्री नाथजीकी ज्यासामंडारकी
[illegible]हे तहां श्री मथुरा नाथजीको मंदिरहे त
हां जे[illegible] [illegible] उपर सातों स्वरूप जी
राजते पाछें न्यारे न्यारे सात मंदिर [illegible]हें
तहां श्री गुसांईजीकी बैठक हे तीनके पास
श्री गोकुलचंद्रमाजीको मंदिरहे ता[illegible]
स श्री नवनीतप्रियाजीको मंदिर हे ताके
पास श्री आचार्यजी महाप्रभूनको मंदिर
हे [illegible] श्री [illegible]नाथजी को मंदिरहे तहां
श्री गोकुलनाथजीको मंदिरहे तहां श्री वी
ठलनाथजीको मंदिरहे तहां श्री मदन मो
हनजीको मंदिरहे ता[illegible] आगें [illegible]कुंड हे त
हां श्री ठाकुरजी नें अंतरध्यान लीला करी

है तहां भक्तजननें दरसन कीयो है ताको कुं
ड भयो है ताके पास चबूतरा कुंड है तहां ते आ
गें व्रजभक्तजनन जु सोहै सो तहां व्रजभ-
क्तजननें दिनसों कुंज हैं अरु श्री ठाकुरजी कीं
कुं है षेत जखेडुने हां कही खेडुने ना कही ता
कुं आगें चौगान पेयाकी ठौर है तहां श्री
ठाकुरजी चौगान षेले हैं तहां नाना प्रकार
की लीला करी हैं.





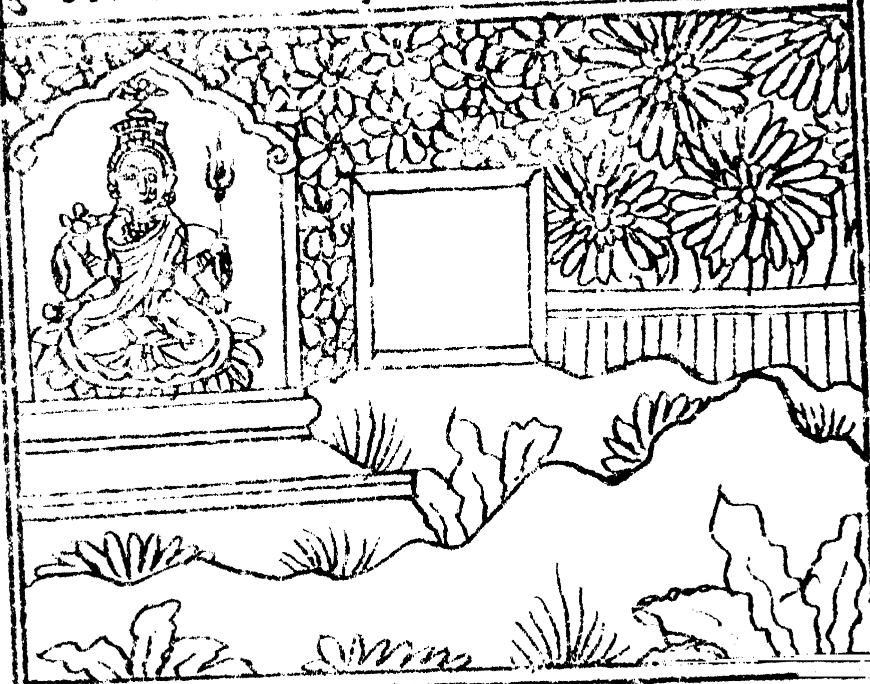


तहां पौसल जन है.

तहां स्याम तमाल के नीचे श्री ठाकुर जी श्री
ठकुरानी जी ठाड़े ठके है तहां स्याउकुंड ठाड़े है
तहां ला जामे हार हे [redacted] लाडु री है [redacted] तहां श्री
[redacted] गा जई भीर ह्यो है सो गोपीं
हसा भी लेर ग्ये हैं सो ताहीन तें संषना
रई खान श्री पुसांईजी [redacted] है ताके जा
में गुलाब हु है तहां बसंत के दीनन में गु-
लाल भगार होत है ताके पासगां ठोली कि
कुंज षडी है तहां फाग ल तनने श्री ठाकुर
जी श्री ठकुरानी जी गिपा हीलेरी है जी जाके
ग्रीये है



यह श्री गोवर्धन की परीक्रमा में धांम है ता
हूं आगे जहां जल दो ओर जलज [illegible] है.



ताकूं पाछें परीक्रमा करे है.

तहां ते श्री ठाकुरजी की गाय छींकूं ने ए राखे
है तहां छीकुंड है तहां छीकूं पड़ै सो पहगा
धनपकूं छीकू लोकूं [illegible] मारिकें
पाछें श्री ठाकुरजी के पास आये है.



ताकुं आगें कामधेनु है.

ताहां पंचे पतीर्थी है. तहां धर्म कुंड है तहांच

सकुंड है ताकुं [illegible] सोपतारेकुं स्वरूपहै सी

[illegible] मनां तीर्थी है त [illegible]

कुं मनाकुं [illegible] मांगें शुद्ध [illegible]

न [illegible] कों [illegible]

[illegible] कुंड है तहां

ठाकुरजी मल्लजे हैं तीन्। और यसो
दाकुंड है तहां श्रीयसोदाजी श्रीठाकुरजीकुं पा
लैके छाकु लै जा जातो सो श्रीठाकुरजी जा
रोगन्ते ताके पास लंकुकुंड है तहां श्रीठाकुरजी
ने स्येत बांध्योहै तहां रामावतारकी सीस



प्रगट होषाछे तहां पंचतीर्थ हे तहां पय
कुंडहै तहां डुडु डुडु कुंडहै तहां डुडु डुडु कुंड
राहै तहां श्रीठाकुरजी प्रकसखान सहीतग्वां
लनीयोनी हैं त हां कुंदरामें छी
पाहे पर्वतकेउपर प्रगटलग्येहैं तहां पेनुंन
छुरेहैं तहां भक्तदेवीके होयर
हेहैं.



तहां चरनपहाडी है तहां श्रीठाकुरजीके चर
नचीन्हहै तहां [redacted]
चन्दरानीको षीडकुहै तहां मध्यानकोछाक
अरोगनके अपनें अपनें घरतें लेआवते
सो गोपालमंडलीकुं रीझें आरोगते.



तहां ते महोदधी तीर्थ है तहां श्री ठाकुरजी
ने दधी आरोगवेकुं जंघो योहै ताते या
को नाम महोदधी [illegible] है [illegible] रासे ध
र्म [illegible] यजीको मंदिर है तहां श्री ठाकुरजीने ज
यन कह्यो [illegible] हम सातपर ओरपे पावन
पर तेरो जनम नाहीं है तहां धर्मरायजी श्री
ठाकुरजीके [illegible] पाछे
जपके [illegible] ताहां चंदपट है तहां
चंद्रावली सहीत श्री कृष्ण [illegible] सहीत
गोदमें लेके बैठे ते ताके पास [illegible]
स सुरली कुंड है तहां स्यामसुन्दर [illegible] के जी बै
श्री [illegible] धर्म महाराज को बैठक है तहां
श्री [illegible]
ताके पास कथा की गुफा है तहां सख
न सहीत [illegible] तहां [illegible]
[illegible] कुंड [illegible] गये पछे [illegible]

दैत्य फूरो सें। थो हे तब श्री ठाकुरजू सतकुरलेगि
केंच्यो मासुर डीगुं डुमें ते ग्वाल अजरा नकें
डूरे और याकुं मार्यो सो तहां तें गोचारन
लीला करत नंदगांम पे घोर तहां ओर ऋषि
के आगें माल सीकुंड है तहां पाराहकुंड हे तहां डू
मेर कूं महादेवजी को मंदीर हे ॥ यह कुंम जल
श्रीपंचि क्रम श्रेयोंमें





सांझे आगें कुंजवारो

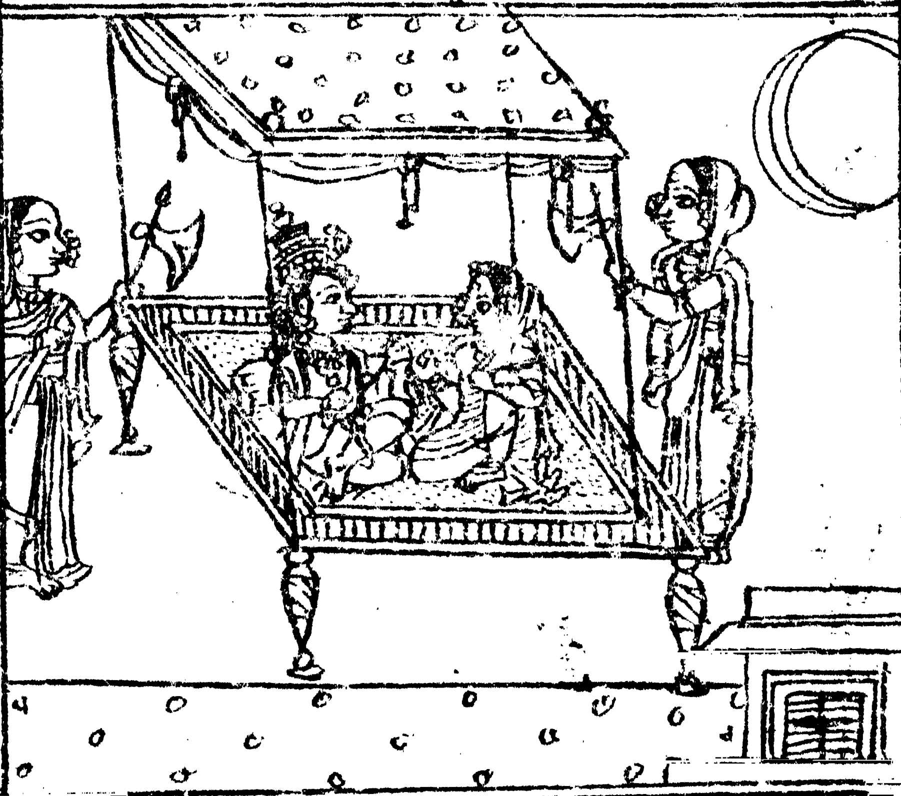
गद्य है.

तहां कुंजके ग्वालकुंडके दर्शन भयोहै तहां दीप लेहेपर श्रीठाकुरजी कुंडवारे भारोगे है तहां हिंडोराकी ठौर है तहां कुंडके उपर स्यांम तमाल कुंजनिके आगे कुंजवारो गयेहै ताके पास सुन्दर साइकी कदंब षंडी है तहां प्रफुल्लित लतान सहित नानाप्रकारकी लतासाखी है तहां रासमं- डलको चोतरा है तहां हिंडोराकी ठौर है तहां श्री आचार्यजी महाप्रभुन की बैठक है तहां तें चलें भारोगे है तहां ओलिषपीहरकी ठौर है ताके आगें पीरपीयोवरसालो है तहां सख सीजनने नानाप्रकारके फूलन सों सेज सं- मारी है तहां श्रीठाकुरजी ओ स्वामिनीजी सुरतचाहवडीचले हें सो श्रमसयो है तो जपकुके ओर [illegible] जहभयो है त.

हां सषीजननें दूलनको जीजनाइरीके जी
पारकरी श्रृन्दूरिकियोहै ताके नीचे पोंसरा
है सो तहां सषीजनलीलाको अपनोकैनक
रतहै ॥

यहलीलारत्यंतगोप्पी

है.



ताकै आगें श्रीवलभ प्रभुको उं जोगामहै
न गुं [illegible] तहांबैठ
तराहै तहां श्री वल्लभ प्रभु जपके सबोजनसं
हित बैठतरापर जैठते ताकुं उपरछत्रीहै ए
परा रासमंडलहै [illegible] जलहैप
हैतहां श्रीवल्लभप ं में सकलजन रहि
तरास ेयो ै तहां ह [illegible] घना
रसों श्रावन द्वान रसों ह रहे हैकी सीधी
हाय तहां महीहै सो श्रीवल्लभप ो सथाहे
त ां सं आगेसीधीहै.

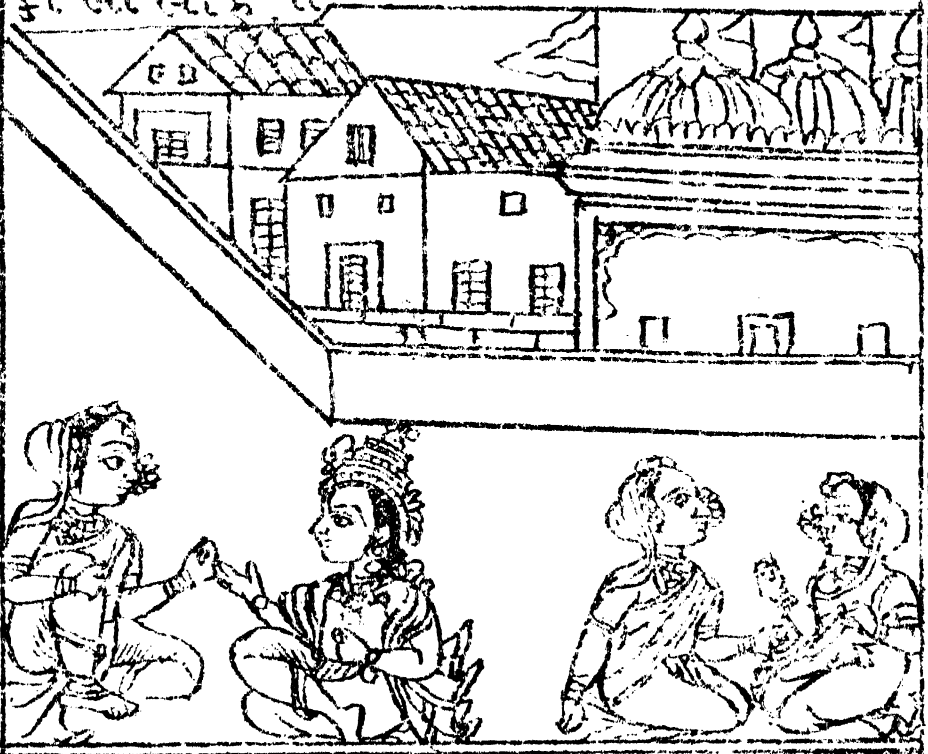


ताकै [illegible] रसानो है.

सोऊ [illegible] लानको गाम है तहां ल्लानो
री है तामें कीरतीजी श्रीवृषभानजी आनके रतात
ही पा[illegible]सोदाजी हु है सो नंदरायजी
यसोदाजी रोहिनीजी श्रीवलदेवजी श्रीठाकुर
जी श्रीवृषभानजी ये यहांतें वन भोग आरो
गे हैं सो तहां डेरा कियो है. तहां याकुं [illegible]गां
मो है सो तहां रहे है तहां [illegible]गामजी है त
हां सब भक्तन नें श्रीठाकुरजी कों अनेक खेल
डाते हैं आभूषन सब पै है और जा भांत कु
की सामग्री आरोगाई है तहां कुंड में [illegible]सपा
न कियो है. तहांतें आगे कुं दोहनीकुंड है तहां
श्रीयसोदाजी अनेकु सम[illegible]दोहनी धोयवे कों
[illegible] है तहां [illegible] श्रीजी [illegible] है तहां
श्रीयसोदाजुनें श्रीस्वामिनीजी कों श्रृंगार
कियो है तासमय श्रीठाकुरजी पधारे है तब श्री

प्रसंसा जो होइनकी सो म्हारे ष्यीके पांधीसों अज
घराए सारीये ह नागयोंल्ने येरे रुकु पाडोप्या
हर्षेन [illegible] ताके पास मो [illegible] हे त
हां [illegible] गड है तहां पीव्यास मंदीरहै. त
हां [illegible] कीयेहें तहां हींडोराझू
लेहे तहां दांन मंदिरहे तहां श्रीठाकुरजीनें द
धीके लीये नीर्त कीयेहें. तहां हींडोराकी ठौ
रहै तहां गहवर बन्हे तहां दानके श्री स
करोहे [illegible] रते श्री स्वामीनीजी कुंले
[illegible] पनमें पधारे. तहां श्री आचार्यजी महा
प्रभूनकी पैठकहे तहां मांन मंदीरहे तहां
[illegible] स्वामीनीजीनें मांन कीयोहे तब श्रीठा
कुरजीनें चरन परसी करीकें सौं खाहे मा
न मनायोहे तहां रासबीलास कीयोहें त
हां हींडोराझूलेहे तहां मोरकुटीहे तहां श्री
ठाकुरजी मोरकी सी वेष धरीकें नीर्त करतहे.

सो सो रस ही रूप है अपनी पालीनको लीके श्री
स्वामिनीजी के हेतकी समस्या करत हैं संप
तातें श्रीठाकुरजी परम श्रेष्ठ हैं ताके आगें श्री
स्वामिनीजी को मंदिर है नीचे ऊरमी जु प्रथ
लांनजु श्रीदामा सषाके स्वरूप है तीनके पा
सजप सषीनको मंदिर है ॥ यह परसाने
की लीला है ॥



[illegible] आगें पीरी पोषरी है.

सो तहां श्री स्वामीनीजी उजरनानगायस
पीलसहीत श्रमनकर्ती तहांतें श्री ठाकुरजी
लीलागाय संकेत पधारे है ताके आगें बेन
[illegible] है तहां श्री ठाकुरजी प्रथम तानसो
प्रथम प्रीती लई है तब प्रथम तानने श्री ठा
कुरजीकुं पेठायो है तहां तलैके [illegible] है
तहां कुं [illegible] श्री ठाकुरजी
रांकेहेत [illegible] प्रथम [illegible] नने श्री ठाकुरजी ने ह
[illegible] है तहां [illegible] है.
ताके आगें जीम साटेपी है तहां पीमकुंड है त
हां प्रथम स्तनने श्रृंगार [illegible] कीये है तहांतें संकेत
[illegible] हां प्रेम
[illegible] श्री [illegible] सां
[illegible] कीये हैं तहां रासमें
[illegible] हैं तहां श्रृंगार कीये है तहांकुंडके

[redacted]पी पर नीचें श्री जाट्येजीके महा
महल [redacted] सौजे [redacted]ग्राजंधन करते तहां
कुंदजषंडी को पन्न है तहां कृष्णाकुंड है त [redacted] प
स सु [redacted] पुण्योंको रसानयोंहै ॥



ताके आगे श्रीचं[illegible] मे है [illegible] ठेहे
तहां चंद्रापसरोकुंड है [illegible] श्रीचंद्रा[illegible]
जी बेठक है तहां पी[illegible]
महामल्ल के पुत्र [illegible] जी बेठक है तहां
का नाम [illegible] की पीहार लीला करी है ताके पर
स श्री यसोदाजी को मंदिर है तहां [illegible]कुंड है.
त [illegible] समय [illegible]
[illegible] जी को मंदिर है तहां
ललीताकुंड है तहां रास मंडल है [illegible] है.
तहां हिंडोरा [illegible] लाल लीला [illegible] के -
न्यारे न्यारे कुंज है ताके [illegible] जी के
कुंज वन है तहां [illegible]कुंड है तहां श्रीठाकु
र जी नित्य पधारते तहां [illegible]कुंड है. सो तहां
कुंज के न्यारे न्यारे कुंज है. तहां [illegible] मासीजी
को मंदिर है तहां पुरनमासी कुंड है [illegible] में
नाना प्रकार की लीला [illegible] सहित [illegible] है.

ताकें आगें मोहन कुंड है. तहां श्री ठाकुरजी दा
ऊपरि है पीठें [redacted] रहि
रही नाहीं [redacted] ठाकुरजीनें पेंड परस्यो है.
तब [redacted] धार [redacted]
स्नान में मोहन नाम धर्यो है [redacted] की
यो है तहां रामदास की घोंन की कुंयारी. तहां
श्री रथ कों भोग आरोगे हैं तहां [redacted] की जे
हैं तहां सब गाय पेंड़ नाहें करो है ए सा थे है.
तहां गयें लाघास है [redacted] यराय है तहां
यसोदा कुंड है तहां श्री ठाकुरजी प्रेम सों गाय
चरावन कों पधारे हैं त तहां पाछें भी कोउल
स भाज्यो है तहां श्री चन्द्र पजी को श्री ठाकु
रजी को रास मंडल को थी तर [redacted] श्री यसो
दाजी को मंदिर है तहां ह [redacted] है तब
श्री ठाकुरजी कों श्री यसोदाजी डरपावती या
तां तोहें दुंदी षेनन जान हउ लाल में रहऊ

आये हैं. तब श्रीठाकुरजी कहि मैया मेरे षीला-
ईं [illegible] कें से हुते हैं सो मो कों [illegible] षाय यह कहि
कें [illegible] वछ [illegible] जल में पधारे, ताकें पास
मघ [illegible] कुंड है. तहां दधी पील्यो यह पैं मांट है
ता कें [illegible] पदम [illegible] थे, ताकें [illegible]
डी है तहां श्रीठाकुरजी के पर [illegible] वीं दे हैं ताकें-
आगे [illegible] है तहां पनीहारी कुंड है.
ताको जल श्रीयसोदाजी के घर आवतो सांक-
रे [illegible] ठाकुरजी पान करते ताकें पास बडे बडे कई
आजोर [illegible] ताहे तहां श्रीठाकुरजी श्रीबलदे
वजी [illegible]
कें दे रते ताकें पास [illegible] है तहां [illegible]
[illegible] करते तहां कुंड कें पास श्रीआचा-
र्यजी महाप्रभूनकी बैठक है सो तहां छोंकर
ईनके प्रसिद्ध है यह महाजलोकी [illegible] है सो
तहां [illegible] है सो तीन प्रकार के ताप कों दूरि करत

है ताके [illegible] पार [illegible] राजौं घी जेकुं बूंदा है
तहां गायं पछरा यार्ही [illegible] छ श्री
यन है पछ गो हो हजुर [illegible] हां नंदराय जी
तहां गायनकुं [illegible] रकुं है. ताकुं पास मोतीकुं
है. तहां मोतीन की [illegible] रोकुं गायन [illegible]
कराये है तहां छछी हारी कुंड है. ताके पास बज
पोहार है. तहां रासकी जे है. ताके पास पीहा
रकी जे है. ताके पास टेरकदंब है ताहां सात स
[illegible] है ताके लीये रासमंडलकुं चौंतरा है तहां बे
ठक है ताके पास नंदगाम की [illegible] दंबषंडी है सो तहां
मध्यान समय गायनकों बुलावते तहां श्री ठा
कुरजी की बैठक है तहां गाउं [illegible] स
पाल कराबते तहां श्रृंगार करीके रास [illegible]
करी है तहां प्रजलकनकों परम सुख दीजे है तहां
नाना प्रकारके षही गुंजा कुरत है तहां ते [illegible]
जर [illegible] करी है सो प्रमायरोके तहां

कलजोहय्रहेंस सरोवरमेंझीलेहैं कुंडकार
झीलेहैं. ताकेपास सारसजलोहे तहांकूं रसलीलेहैत
हां श्रीठाकुरजीनें श्रीस्वामिनीजीकूं झीलेजेलीगुंथी
है. ताकेपास रासमंडलकुंचो तराहे तहां नानाप्र
कारके कुसुमजो एकदंभहे तहांते पुष्पनिसोकुंडल
लोहे तहां श्रीठाकुरजीको कुंडल खोयगयोहै सो
सखामनलालकें दूंढकें डारोहै पाछें श्रीठाकुरजीकूं प
हरायोहै ताकेपास परदक्षिणा है तहां श्रीबलदेव
जी श्रीठाकुरजी सखानसहित तसरूपे कहे है:

यह नंदगांमकी लीलाहे.





ताकुं आगें करहलाछिपचनहे.

तहां कृष्णकुंड्यांमहे तहां कुंकुम जललतनकोपं
क्ति जेहै तहां प्रफुल्लतानके संगरासादिकलीला
करीहै तहांरासकोंथोंतरा है तहां हिंडोराइंहैल
है. तहां दधीलरिजा कीनीहै तहां करहलाकीकुं
ञ्ज षंडी है. तहां नीसषीहान लीला करते सहां
सहके न्यारेन्यारे थौ रहैं सो अपने अपने
यूथपतीमजलनाके मंडलहै तहांकुंजन
मेंन्यारेन्यारे रमनकीयोहै तहां छोंकुरनी
पें श्री आचार्यजी महाप्रभूनकी बेठकहै ता
कुं आगेंकुं मधुसषीनकोगामहै तहां श्रीठाकु
रजी श्रीस्वामिनीजीके संगसषीकु घरपधा
रेहै. तब या सषीनें बहुतसन्मानकरीकें वि
नकी पूजनकरीहै ताकुं परजी औरआंजनों
परी. तहां श्रीठाकुरजीनें श्री [illegible]जी
केनेत्रकमलमें [illegible]अंजन आंजें है तहां अंजन

कुंड है. तहां कुंजकुटीरो श्रीठाकुरजी श्रीठकुरा
नीजी कुं बेठके है तहां रास रमनकी ओहै. तहां
जेकु समय श्रीठाकुरजीने गवाल मंडलीकुं रूप
कुं छाक आरोगे है.



ताकुं नाम पीयासरोवर है.

तहां श्रीठाकुरजी पधारे ये हैं तहां श्रीस्वामी-
नीजी सखीन सहीत बालदेकुं पधारे हैं सो-
जल श्रीठाकुरजी आरोगे हैं तहां श्रीठाकुरजी

नें जनें कुंपकुंवरकें ललनपेजुनमाधुरीकें प्रगटकु
रीहै त ां श्रीस्वामीनीजुनें गोपीनकेंकुंसं
देहदूरीकीयोहै नेपें सर्व सार्थी युक्तहैं तहां
अनेक कुंज कुटी है तहां सखीकें घरहैं तहां कुंड
जह जसहैं तहां श्रीस्वामीनीजुको बैठक है
तहां द्रुमवेलीउपरछायरहीहै. तहां ललि
ताकुंड है. तहां ललीताजुको गांम है तहां हिंडो
राईंढोरहै.



ताके आगें जीडुलनहें.

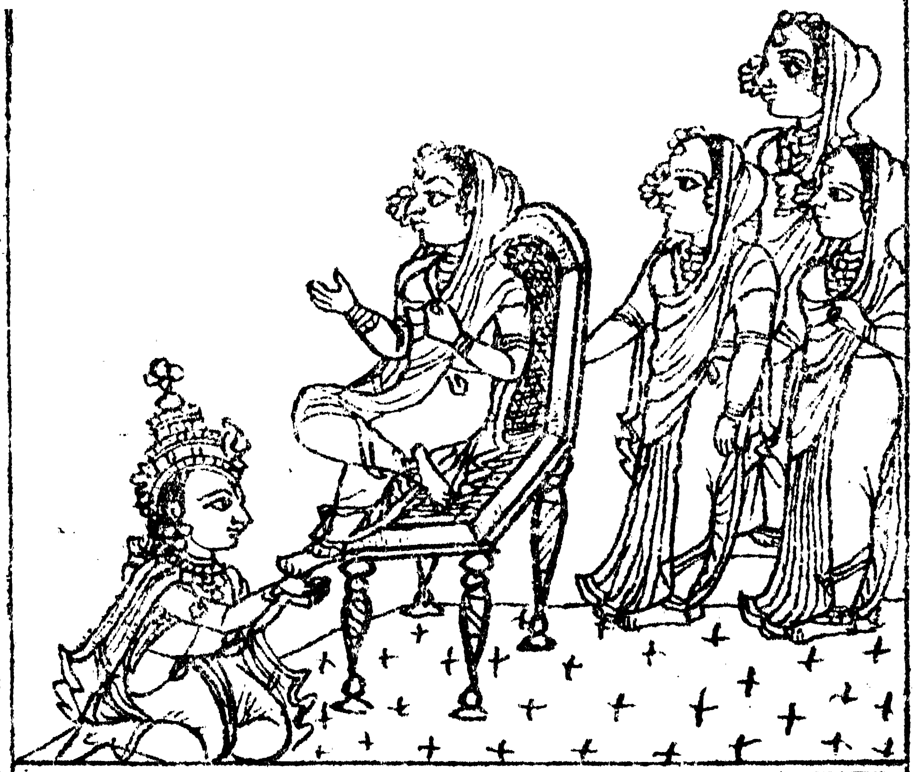
तहांगायनकोंषेदीहे. ताकेपासपकासुरकी
होरहे [redacted]कुरजीनें पकासुर मार्योप
हे. सोअमन तलयोहे [redacted]. षीकननें श्री
ठाकुरजीके चरनारबींदधरेहे. तहांथें आगेप
लेहे. तहांरासकों मोंतरहें. तहांजानभ्कु
टारकी सामग्री आरोगेहे तहां [redacted]हे.
तहांश्रीस्वामीनीजी सांझी [redacted]
कों पधारेहें तहांश्री ठाकुरजी मोरकोस्वरूप
धारीकें निरतकरतहें तब ललीताजीको हृद
परोहे तबमनमें कुहोंलेये कोउ अपलताकोपु
रुषहें. सोआननदहोगो तब श्रीस्वामीनी
जीकोहारलतासों उरझीहें [redacted] सो
नेतोडे कूजललागीहें सोछेतनहीं श्रीठाकु
रजी पसेंते आयकें पुछकें गेंदपीठमें मार
हे. ८ श्रीस्वामीनीजीकों दर्शनभयो सोप

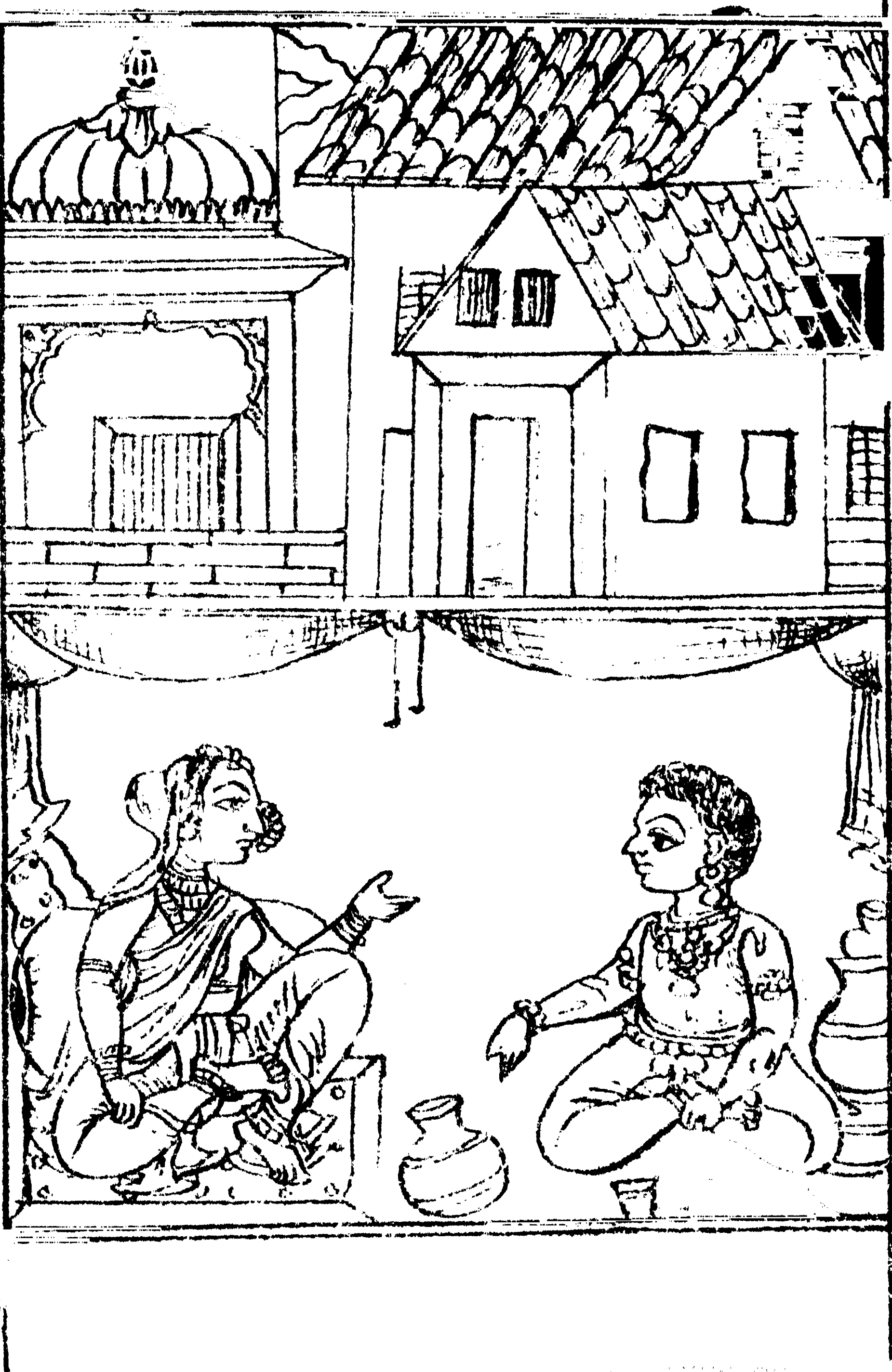
इहदीसा रहो ताहीं ज्यांकु जलपछै तजसली
राजकसाने मेले जाजेकुं फीरतीजेसोकुहो
ने तुमारीपेरीकुं रेने पाछैहै तब श्रीठाकुर
जी गारडूको स्वरूप धारीकुं तहां पधारे हैं पा
छे जाछोकरीकुं ज्याये हैं.



ताके पास कुमारवन है — तहां प्रफुल्लित
न [redacted] ठाकुरजी को नाम कुंमर धर्यो है तहां
र [redacted] कुंड है तहां रासक्रीडा सदा कीये हैं तहां
हृपरवन है तहां नाम कारी … मये लीये है प
ताकें आगें [redacted] पकुपिपवन है तहां श्री ठाकुर [redacted]
कों श्री स्वामीनीजीके प्यारनाजींहमें अय
टीके है. तहां नानाप्र [redacted] है
रस कुमलर सों कीये है. तहां बेनीगुंथी है तहां
नानाप्रकार की रासलीलाकु [redacted] हां
मानकीये है. तब श्री ठाकुरजीनें मानमना
यो है तहां वजकूनर है तहां रासमंडल को मो
तर है. तहां हिंडोरा झूले है [redacted] कुंड है तहां
लसीत क्याजीहार है ताके आगें रासोलीकुं
वजीहार कीठोर है. ताकुं नाम कुकि … है
तहां हु [redacted] है. … नाम सर्वकालमें सीत
ल रहत है तहां कुंडके पूर्वदिसा स्यामत मालेकुं

रिये श्री आचार्यजी महाप्रभून्को बैठक है तहां
श्रीस्वरूपविहार करत है. ताकुं पास ललिताकूं खडे है.
तामेंते जल लेकुं श्री ललिताजीनें श्रीठाकुरजी
कों चरणकुं धारेहैं पाछे जुगलस्वरूप श्रृंगारकी
जेहैं तहां नानाप्रकारके कोकिलादिक पक्षीस
ब्द करत हैं





देन कहां श्री कृष्ण मुद्रि की ताकूं लेके हैं.



तहां [illegible] है.

तहां श्री ठाकुरजी मन [illegible] सिर
समानचिन्ह कीनी हैं तहां जल कुमकुम के
र जल मलमल लाल कों हटी रहे हैं तहां राधा मंड
ल होयों तरा हैं तहां रासों लीकुं डहे ताके पा
स दीपी गावन हैं तहां श्री ठाकुरजी नें दीपला

वाडुरीलीहै तहां हथीकुंड है तहां मधुसूदन
कुंड है. तहां सात सखीनके सात सरोवर मंड
लहै. तहां [illegible] कुंड है [illegible] जेहैं तहां
[illegible] श्री ठाकुरजी [illegible] हैं.
[illegible] दूरीलीला करी है. तब [illegible]
[illegible] तहां ते [illegible] पधारे हैं. तहां [illegible]
कुन्नाहकरीके सब गायनको बुलाए हैं. तहां
श्रीयसोदाजी पधारी हैं सो श्रम भयो है.
तब श्रीयसोदाजी सों श्री ठाकुरजी कहे जो
तुम सीतलकुंडमें स्नान करो. तब श्रीयसो
दाजी ने सीतलकुंडमें स्नान कीयो सो सीत
ल भयो श्रम दूर भयो ताते कुंडको ना
म सीतलकुंड है. तहां श्री आचार्यजी महा
प्रभुजी [illegible] बिराजे हैं. तहां छोंकर [illegible]
तमालके वृक्ष हैं ता [illegible] नीचे श्री ठाकु
रजी [illegible] पधारे हैं.

सो [illegible] कु [illegible]

हीं [illegible] दीषाउ तब श्री ठाकुरजी मन में पी

योरे [illegible] जुके आगे गोपीकारा

स [illegible] श्री ठाकुरजी नें [illegible]

गोल्ला [illegible] ज्यारे ज्यारे दीषागे मोल [illegible]

[illegible]

कु [illegible] सषान सहीत ठाडे हैं [illegible]

कु [illegible] के मे श्री ठाकुरजी सषान सहीत ठाडे हैं ॥

स श्री यसो [illegible] ठाडे हैं या [illegible] ज्यारे ज्यारे

[illegible] दीषाजे तब श्री यसो

दाजी श्री ठाकुरजी के [illegible] पर [illegible] उठीत

ब श्री ठाकुरजी नें श्री यसोदाजी सों पूछी जो नें

तुम [illegible] जो तब श्री यसोदाजी नें कह्यो

जो मोकों [illegible] मारे [illegible]

[illegible] सब [illegible] है

[illegible] में [illegible] है तो कों

गुरु हे[illegible] के [illegible] होयत जागावत हैं तब श्रीठा
कुरजी कहि गयां में दाऊजी के संग और सषान
के संग गया में कुरषेलत हों [illegible] के पटवत हैं
सो में आरोगत हों तब श्री यसोदा जी तो नं
दगां म प[illegible] तब श्रीठाकुरजी पिये कहें जप
र पदीके दूरि लो हैं ज्यो तब श्री यसोदा जसीं
कहार जो पधारी तब श्रीठाकुरजी कहें व्रकेन
गेऊ तेरे पाछें [illegible] हों और गवाल
न कों गाय ले के पठे [illegible] जे और [illegible] पठि
हारे के [illegible] अकल के संग [illegible] कु दि
ला करी हैं तहां यह छाक अपने करत हैं प

यह कीरतन नंददासलीला हैं



ताकू आगें [illegible] चन्द्र सेल सोहे है तहां प्र

मलक्षन में श्री ठा॰ रजी सों कुह्यो के हिर

सागर में श्री लक्ष्मीनारायण एकोन प्रकार

तपस्या करतहैं सोहमकें [illegible] गयो तब श्रीप
त्यहैं पद्म तांसें सहैं पत्र ये तीन द्वीपसीकृप
ऊपेर आपेय [illegible] रत्न [illegible] स्य रेप घ [illegible] कें संब ग
[illegible] लेकें पौढे नाभी कु [illegible] ते ब्र-
ह्मा सहितर्हों ध्यजे [illegible] पेहैं पत्ता जांहें [illegible]
तीकु [illegible] लेकें लक्ष्मीपद्यकुरीके कहयोले
महाराजले लीलाकु [illegible] सोछंकु हे [illegible]
पहर्षीसोंहेलें जयहीयासों लाकुं [illegible] य
नहीं है [illegible] कोंमा [illegible] हैं पाउं
गया [illegible] महाराज कुमेय
[illegible] रत्नहते सो
हे [illegible] रेतहां पीर जांमला [illegible] प्र [illegible] हैं तहां ल
[illegible] श्रीस्वामीनीजु [illegible]
नारपींहेयेपेतौं तहां अंगराग येंहू नाप्र
च्छलनने समर्पेहैं तहां थोपत्तीपरब्रम्ह
रेहें तहांसें पांडुरांग ब्रलत नन सम

पैहैं तहां षीराडि सामग्री आरोगें है पछें
प्रभु लल्लनने कह्यो जे म्हारा हृदमें यह ली
लामती दिषायो जैसें जागें प्रभु संजधीली
ला करत हते सो छिड़ रोतप श्रीठाकुरजी उरहिहें
प्रभु लल्लनके संग ररसा छाडि कुलीला लूगीनीहै
सोश्रीपचलाहे यजु तो गायस्थेरपलमोदूरील
तो[illegible]नंदन मेरु मधुकरद्रुम पेलीछायरहीहैं



तहांते श्रीयमुनाजीकी पुलीनहें तहां

श्रीठाकुरजी पधारेहें तहां श्रीठाकुरजी श्रीस्वामिनीजी

सहित पतीसपरे श्रीयमुनाजीमें [illegible]

उनके दोष दूरी कीयेहें तहांते लाल बागमें प

धारेहें तहां कदंबके तथा पेडके प्रसंगहें ताकी नीचे

आयके धीराजेहें तहां प्रभुभक्तननें लाल

बागको शृंगार कीयोहें जामें पुष्पन सजके

नीचे [illegible] हें तहां श्रीयमुनाजीमें कोटीलेन

पर [illegible] हें तहां परीसीमोन

सपच [illegible] हें तहां रासादीकुलासाकुंकी

हें ताके पाससें [illegible] गोपकी गां [illegible] हें तहां

सें ह्या प्रभुभक्तननें श्रीठाकुरजीको धेर लीये

हें तहां षेलन जनहे तहां प्रभुभक्तनके संग

षेलेहें सो श्रीठाकुरजी हारेहें तहां नाना प्र

कारकी सामग्री प्रभुभक्तननें आरोगाईहे

तहां आरती कीनीहें ताकें आगें रामघाटहें

ताको [illegible] जन्म है. तहां जे कुरु [illegible]
चार्यजीनें अपने प्रभुभक्तनके संग रासलीला
करी [illegible] है तहां [illegible] ताकोनें श्रीवल्लभा-
चार्यजी सों [illegible] कह्यो [illegible] महारासके पती नाहीं है श्री
ठाकुरजी रासके पति हैं [illegible] हीं कों सो हरत हैं जु स-
[illegible] तब कह्यो यह सुनीके श्रीवल्लभाचार्यजी
[illegible] ठाकुरजी [illegible] चार्यजी रास [illegible]
[illegible] सो श्रीवल्लभाचार्यजीनें [illegible]
[illegible] तब [illegible] उन्हीं [illegible]
[illegible] है. ता [illegible] श्रीवल्लभाचार्यजीको [illegible] है तहां
[illegible] है सो सब श्रीवल्लभाचार्यजीके [illegible] है
तहां सब [illegible] श्रीवल्लभाचार्यजी बीराजत हैं.
ताके पास चोरासी वैष्णवनके गाम हैं तहां [illegible]
रहे हैं तहां [illegible] तपस्या करी [illegible]
[illegible] करायो है.



ताकें आगें स्तूपऊपरहै.

तहां आपनू धनुष धरे हैं ताकें आगें नौबारख
पन है तहां नौपाटे के दूलपटू तहोरहै तहां
अपनहै तहां गुंजनकी माला धरी है प्रगल
सनकी पहरावे हैं औरसा नामे इनकीय
गीरेथि अपने अपनें प्रम भक्तनकू श्रीयमु
नाजी [illegible] तीर बीचे है तहां मध्यान्हसमयसौ
[illegible] भक्तनसहित बैठें मंदिरमें पौढ़ा
रकरतहैं ताकें आगें जपेहै तहां सयनके
पी मोतीके श्रृंगार किये हैं पाछें संकेत परप

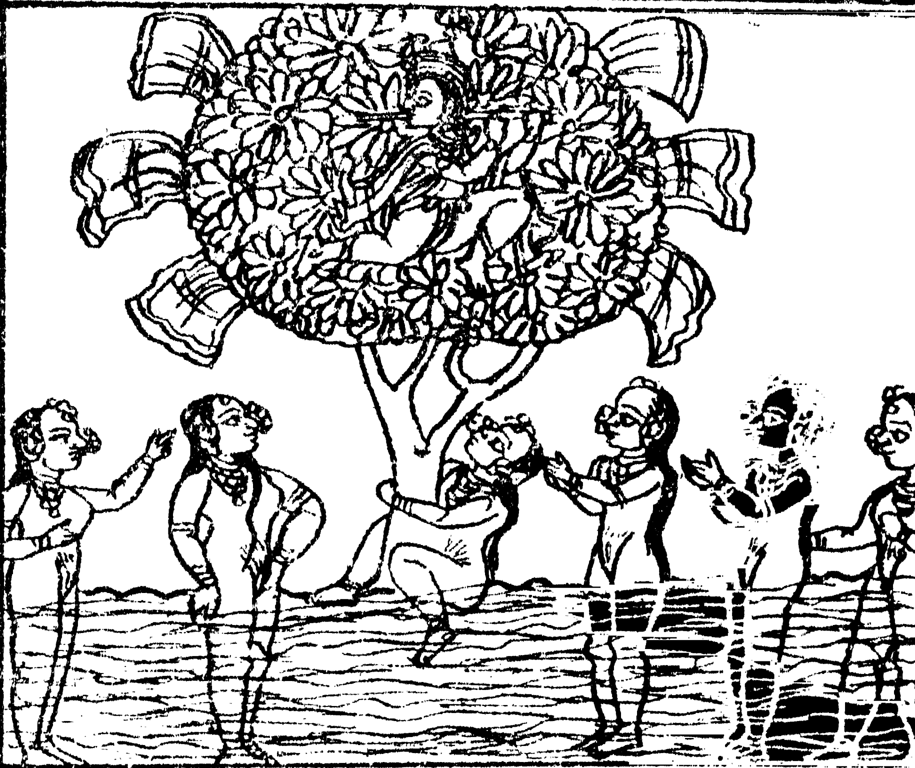
धरे हैं ताकौ नाम गोपीपियर हैं. तहां [illegible]
श्रीठाकुरजी षेलत [illegible] गार. री प्रगट भये ताम
[illegible] हारडी. जैहै तहां [illegible]
हां नाना प्रकार के सुगंध फूलनकी रही है. त
हां जल [illegible] गर रही पारी है. तहां श्रीठा
कुरजी को पीछे श्रीस्वामिनीजी को ले [illegible]
ने अनंत [illegible] प्रकट है तप [illegible]
सषीनने [illegible] सों कहे तप श्रीस्वा
मिनीजी [illegible] पीर हसव
दूर [illegible] तहां नाना प्रकार [illegible] पीहारलीला
करी है ताके [illegible]. सो तहां गोपी
[illegible] कीये हैं. तहां [illegible] पीपर के वृक्ष
हैं सो श्रीठाकुरजी के सषा हैं.



ताके आगें पौरिया ठाढे.

तहां ठाकुराणीजी देवीके व्रत करीवे कुं गोपी
जन जात [illegible] तहां घांट उपर स्थापन करि धरि
के ध्यान करती तापाछें कात्यायनी देवी की पू
जा करती धूप दीप नैवे [illegible] करायें हल समर्पि
के वीनती करती जो हमारे पती श्री ठाकुरजी
होय सो या प्रकार हे मंत्र टेलु में लिख्यो है सो

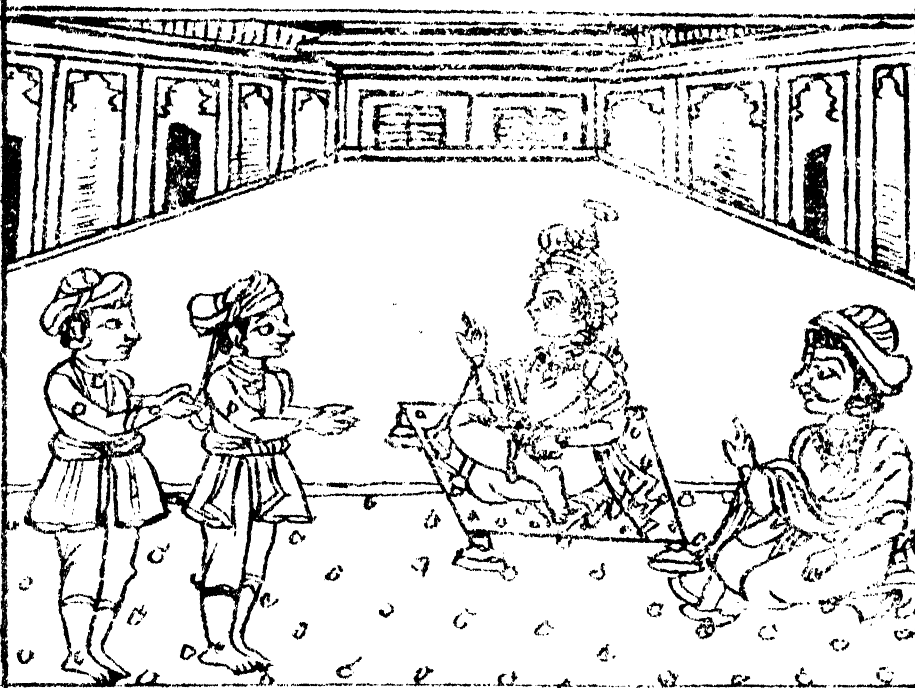
इत्यायनीहूपीसों जरयनकुरतीं तब श्रीगो
पीजन श्री[redacted]जी की जकुलजारती हैपीकें
जे इहाँ जघीर हरवडीजे सो चीर रवे [redacted] हं प्ज
के ऊपर पधारे पाछें गोपीजननें बीनती की
नी पाछें श्रीठाकुरजीने आज्ञा दीजे तांहि स्थं
ती कीयो तब श्रीठाकुरजीनें गोपीजनकों चीर
दीने जो [redacted] सो तापें भीरायो स्य दीपर
नें कें रस [redacted] मत कृपा करायो तहांपें
परजीये श्रीआचार्यजी महाप्रभुनकी बैठ
कहै. तहां चीरविहारि श्रीठाकुरजीको मं
दिर है. यह चीरघाटकी वार्ता है. सो कह
तहैं.



ताके आगें नंदराय ठाढे.

तहां शुद्ध द्वादशी घड़ी हती सो एक घड़ी बा
र हे सो श्रीनंदरायजी श्नान करीवेकों पधारे.
सो वरुनके दूत हते सो श्रीनंदरायजीकों ले
गये सो सब पुकारे नंदरायजी हेरे हे श्रीह
रीजी श्री आप वरुन पे श्रीनंदरायजीकों छे
ले गये तब श्री आप वरुनके पास श्रीठाकुरजी जा

ऐसो श्रीपलोदपजी तो श्रीयमुनाके तीर ठा
डे रहे हे ओर श्रीठाकुरजी नलहूरा होयके पद्मन
के लोकुमें पधारे तब पद्मनने श्रीठाकुरजी कों
सींगासन के उपर पधराय नानाप्रकार की
पूजन कीनी पाछी अस्तुति कीनी तब श्रीठाकुर
जी प्रसन्न होयके तब पद्मनकों परदान दियो-
में जतो तेजनकुं राजन कियो सो यामे कार
पद्मनकों परदान देके श्रीनंदरायजी के नंदग्रा
म उपर ले आजे हें तब श्रीनंदरायजी जें रेन
[illegible] जीनें जब्योंन ने यकी [illegible]
[illegible] पीपर के [illegible] हे सो श्रेलें
दरायजी के [illegible] ग्रांम है सो
तब श्रीनंदरायजी पद्मन लेगयो तब सकल
कोल यल्यो ला सेंगाम्हें कामलयगाम
है. पाछें तब श्रीनंदरायजी के जानें लये



ताकेपासढ़िचलेहे.

तहां ब्रजलालनके संगलालाजी श्रृंगारकीनोला
ड़ कीके तहां श्रीनंदरायजुकी बगीचीकें त
हां श्रीनंदरायजु श्रृंगारकुं रीकें सारंदियाम
जु ईहां आइरते सो जैये बाघधौकें नंदरायजुसे
तेत्र मुंडेतप श्रीठाकुरजी फुरंफुर आयकें सोपस
लीग्रामकों [redacted]ं मे लेतप श्रीनंद
रायजुकें सब बैठे बैठेहे सो श्रीठाकुरजीकुं

मजु नाहीं तब श्रीगोवर्धनधरनें श्रीआचार्यसों कह
जो [illegible] पता हांगयो तब श्री
ठाकुरजीके मुखमेंतें श्री [illegible] सालिग्राम काढीकें
श्रीगोवर्धनधर [illegible] दिये तब गोवर्धनधरसों हासीला
कें ऐसी असी [illegible] कराय पधराये [illegible] सोंपी
नाती [illegible] पाप [illegible] होय [illegible]
वालकुपर कृपाकरीजे [illegible] अपराध क्षिमा
करो तब श्री सालिग्रामजी प्रसन्न होयकें
कहे [illegible] सर्व ठाकुर [illegible]
[illegible] संबंध [illegible]
सर्व [illegible] हैं।



सांदीपनरिषि पढावतहै.

तहां एक लीला श्रीठाकुरजीकुं जनावतहै ताके

आगें पढन गयेहै. तहां पंचरूपीहारी श्रीठाकुरजी

केमंदिरहै तहां गोपालमंडलीकी ठौरहै तहां गोपा

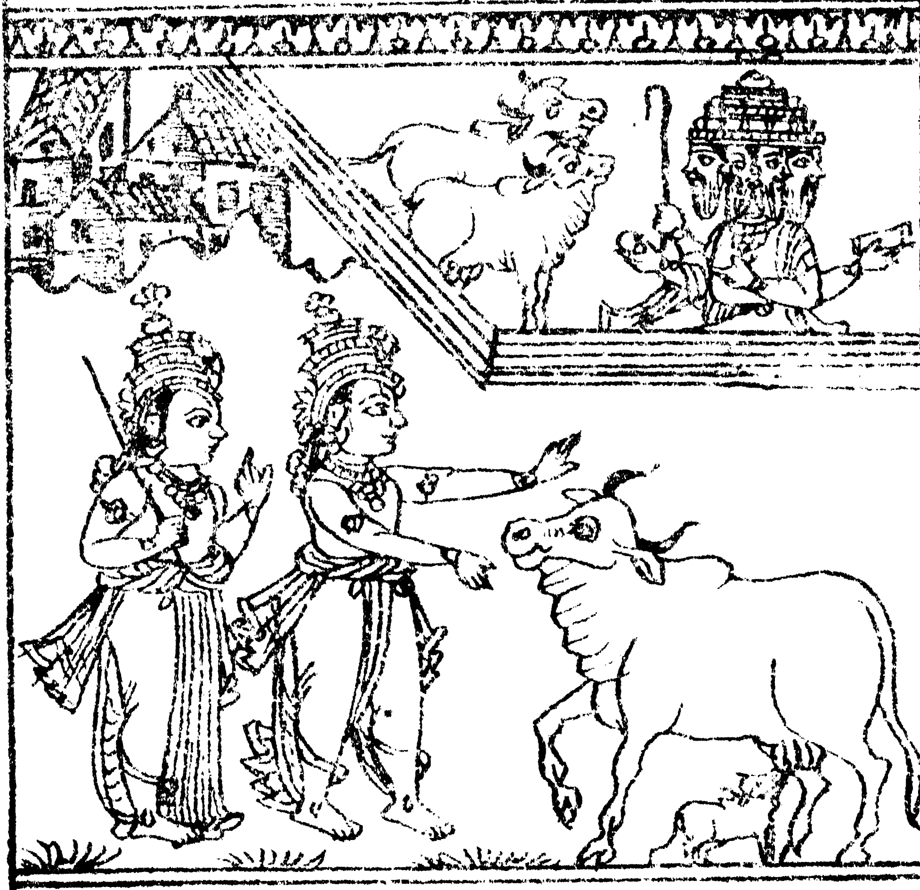
लघाटहै. तहां पालकुंडहै. तहां हरिपर्व

तीर्थहै. तहां श्रीयमुनाजीकी जीवलहै तहांते

पञ्चराज्य आगे हेरे हैं [illegible] के हमारा सराय

कै श्रीठाकुरजीसों कहेजो महाराज एक बात है
[illegible]हिं सो यह तुमनीके हौं रहत हीं ऐसें कह्यो.
सो कहु हौं पैंडो पधारे तब श्रीठाकुरजीनें कह्यो.
हे पारथके हो बोल पढ्यो. सो जब वैसो [illegible]
हे [illegible] हैं तब श्रीठाकुरजीकों [illegible] महा[illegible]
[illegible] गायो ताते [illegible] ही [illegible]
है ताते [illegible] पुर [illegible] है श्री [illegible]
हरीके जास पास [illegible] ते [illegible] कें [illegible]
जाकुं नहीं [illegible] सें श्रीठाकुरजीकुं [illegible]
हूतो तैसो [illegible] पछे [illegible]
ते दूध हूप कुं [illegible] तब यह प्रेम सहित [illegible]
रगाय [illegible] कें दही के श्रीवल्लभ प्रभुजी [illegible] हैं ये.
ऐसे [illegible] कें हैं जो ये हमारे पहले हैं तो प.
छ हो रसना तो यह नाहीं यह तो [illegible]
पहस्य [illegible] हीं पत हैं सो यह श्रीकृष्णकुं [illegible]
है यह जानीकें श्रीवल्लभप्रभुजीनें श्रीठाकुरजीसें प

पूछेतब श्रीठाकुरजी आंन्हांईके पास सब कहे सब
हब्रज. गांमके लीला है. ताके पास रासोली
है. तहां रासमंडलको थोतरा हैं तहां परिक्र
मा करिकै तहां श्रीठाकुरजी समस्त रासकरही
त रासलीलाकी जो है. ५५



त[redacted]रूपसरोगाममेंहै.

तहां टिकुरीपर श्रीआचार्यजी महाप्रभुजी
बेठकहै. तहां जनीषओंपोगयो श्रीआचार्यजी
महाप्रभुजकोंअंग्रामतेथ धारा चलायोहै
सोपेटछे जसोदांदूधपूरायो षालायोहै सोश्री
आचार्यजी [redacted]भू पीटिकुरीके जरोगोहे पा
छेअंगांममें पधारेहैं तहां कुरीलकी छोटे छोटे अ
र्सिहैं ताके पास जलरस गांममेंहै तहां स्रजल
लनें श्रीठाकुरजीको सामग्री आरोगाईहै तहां
श्रीयमुनाजी ईखलिरहै. ताप्रथम बनहै. तहां
नानाप्रकारके मेवाहोतहैं तहां जनीक प्रकार
केइ लके लीले[redacted]ससराम तालहै. तहां
रामचंद्रजीकोस्वरूपहै. तहां श्रीठाकुरजीने श्री
रामचंद्रजीकोस्वरूपधरीके गंडीको संदेह दूरीकी
योहै.।। ताके परें नरीसें मरीगाममेंहै तहांश्री
चन्द्रपनजीके मंदिरहै तहां सषीनके हाथचवीप

है. सो ये सखी मानादिक के छंडायबे में परमच
तुर हैं ताते श्रीठाकुरजी कों श्रीस्वामिनीजी कों
परमप्रिय हैं तहां कोरसेन्दीकुंड है. तहां सपच
कलस भरती हैं श्रीलालजू ते पाछें मानार्थ कर
कें रंगपूर्ण श्रीठाकुरजी सहित दीखे हैं पाछें पी
हार कीये हैं.



ताकुंपासगरुडगांमहै.

तहांमठलछमनेंश्रीठाकुरजीकोनामगोपी
नाथधर्योहै तहांश्रीठाकुरजीनें छडिकोमानलंग
कियोहै. तपसेंमनकेंसीकै श्रीठाकुरजीकुंकहाँजोहें
ताकुंपंसठिद्वारागांमहै. तहांसखीनकेंघरकुं
जलपनहै. ताकुंपासअमरगांमहै. ताकुंपास
सतरोडहै. तहांश्रीगोपालजीसोंजरहांसंगा
येहलोकनकीयोहै.



ताकेपासश्रीपं[illegible]पधाम है.

तहांके [illegible] दनकीहोरहे. तहांकोरीलाछन
ठाकुरजी सोरूपी पैहे तहांउदंजकोपहरीहे त
हांते श्रीयमुनाजी मेंकूदे हे नागनाथ्योहै तहं
आदिपनराहजुको मंदिरहे सो स्वरूप[illegible]
रमे प्रसीधी है ताकेपासपरके दन[illegible]
स्नान करिके श्रम दूरकीयो है. पसीनालयोहै
सोकाढिके दर्दनमें श्रमनीपर्तकीयो है ता
केपास भुगलघाटहै. तहां भुगलकीसे[illegible]
ठाकुरजीको मंदिरहे ताकेपासपाकेजीहारी
श्रीठाकुरजीको मंदिरहे तहां जीहारसुराहै.
तहां श्री[illegible]वापवलमजीको मंदिरहे ताके पास-
सेपाकुंजहै. तहांसेपाकुंजमें रंगनहलहे. त
हां श्रीठाकुरजी श्रीस्वामिनीजी नीत्यपीहार
करतेहें तहां नाना प्रकार की[illegible]मपेलीउपर
हपेहे तहां नानाप्रकारकेकुसुमनकीसुगंध

प्यते है. ताकुं जलमें श्री गायरपर हे. तहां [illegible]
मपेद मुरलीमें गायोहे तहां पांसकेम [illegible] रहे.
सोपे हकुडियाहे. तहां श्री स्वामीनीजकुं [illegible]
कुहै [illegible] श्रीस्वामीनीजकुं परगारवी हे
तहांकुं गलस्व[illegible] पनीत्यपीहारकुरते है. ता
[illegible] पास श्रीचंद्रमाजीकुं तीन हिंडोला झूली
पेकोपड हे ताकुं जागे येन घांट हे तहांकुं हंज
कुनीयेकुं सीहावपकोमावीकुं यहां ज्ययें
नहोये हे. तहांकुं [illegible] जकुं नीच्यें श्रीठाकुरजीकुं
पेठकुं है [illegible] जे है सोना
नापकुं [illegible] रे [illegible]
नी [illegible] रे हैं [illegible] कुं सम्यपीहा
र लीला [illegible] हे. तहांकुं ची घांट हे तहां श्री
आचार्यजी महाप्रभु लागवत श्री [illegible] पे
छीनी जडीकुं थाकु [illegible] तस संज्याकुं [illegible] ती
स्थनोरम लहोय पेकुं लाजे कुंसीको होपदू

रीठी बोहै. ताते कैसो [illegible] है
ऐसो फूलनकी लाकुं ठीक्योहै ताकुंपासघो
रा मीरकै घाट है तहां श्रीयमुनाजीनें प्रव
साद जो पैडो दीयोहै तहां पारदुरख्यसारी
धीकों महाप्रसाद [illegible] है। पारदुरख्य
सारी [illegible] है. तहां हीक समीरमें
[illegible] कीर्ति [illegible] है. तहां जी
[illegible] है. तहां मल्ल
[illegible] कीयो है ताकुं पास
पंचीपर है. तहां तेपांसुरीपनमई है. तहांहो
[illegible] है तहां श्रीसारंगजी
महाप्रसादकी [illegible] है तहां [illegible] सांझीजीकुं
पेठकुं. तहां नीलपीहारकीठौर है. ताकुंपा
सगोपेरीपत्रजी महादेवजीको मंदिर है. तहा
[illegible] ठोर है. तहांपुरवनी प्रवलला
पसै है ताकुं पासठि [illegible] मुरलीकुंडहै

है. तातें परलोक और कांम कुं [illegible]
लमं. लोग [illegible] तहां छोड़ [illegible] जावोगे है. तहां
रथ प्रबल लक्षन होंय अपने कुं मलसों मह
[illegible] सा दहियो है. तहां कुंड ते अल्ला अगर होय
ते ज [illegible] मनकुं राख्यो है तहां ज
[illegible] दुर
[illegible] न. एम्है चीकुं
सकुं रज में लोट गयो तपश्या छोड़ कुं रहनकुं
छ तीकुं रीकुं कुंथ्यो ने महाराज यहां एक जगह
मी में गुफा खत जो बैठी है. म न ज आये से
करोंने पत्तु मारे स्मरन कुं [illegible] मेरे म-
जकुं पर पैरे तो में हृदय हृदय [illegible] को याम कु
[illegible] करीकुं अहल्याज्जी ने लोकुं छोड़ गयो त
पास गोदीं है पत्नकुं मंदिर है. ताकुं पास श्रीप
रोपी काथि कुं मंदिर है. ताकुं पास श्रीजाय प
सवन कुं मंदिर है. ताकुं पास [illegible] है. तहां

नारद[illegible]की मेरी तहांनानाप्रकारकीकु
मयेनीरजनने[illegible]है तहांश्रं
गारमंदीरहै. ताकुपे राधात्यागहै. तहांश्री
स्वामीनीजीकोनाकुं[illegible]है. तहांश्रीठाकु
रजीनी[illegible], ताकेपासगोपी
कुंडहै. तहां[illegible]नेकुंप्रकारे प्रश्नहै. ताकुपासजो
स्वरूपहै. तहां[illegible]नां करीकुंजप्रगटकीये
है. तहांस्वगोपसखानकों जलपानकराए
है. ताकीपास[illegible]गोपकुं[illegible]है. तहांश्रीनं
मुनाको[illegible]मीनीकोकीमीसकेगांन
कीयोहै. तपसभीस्वईपरखी गानसुनो,
मीत्र [illegible]रहीगई[illegible]जलली
लाकरीहै तहांनानाप्रकारन्यारेन्यारेकुंजहेसो
तहांनीतपर नरनीलकरतहै.

यहश्री[illegible]पनकीपरिक्रमामें
घांमहै.



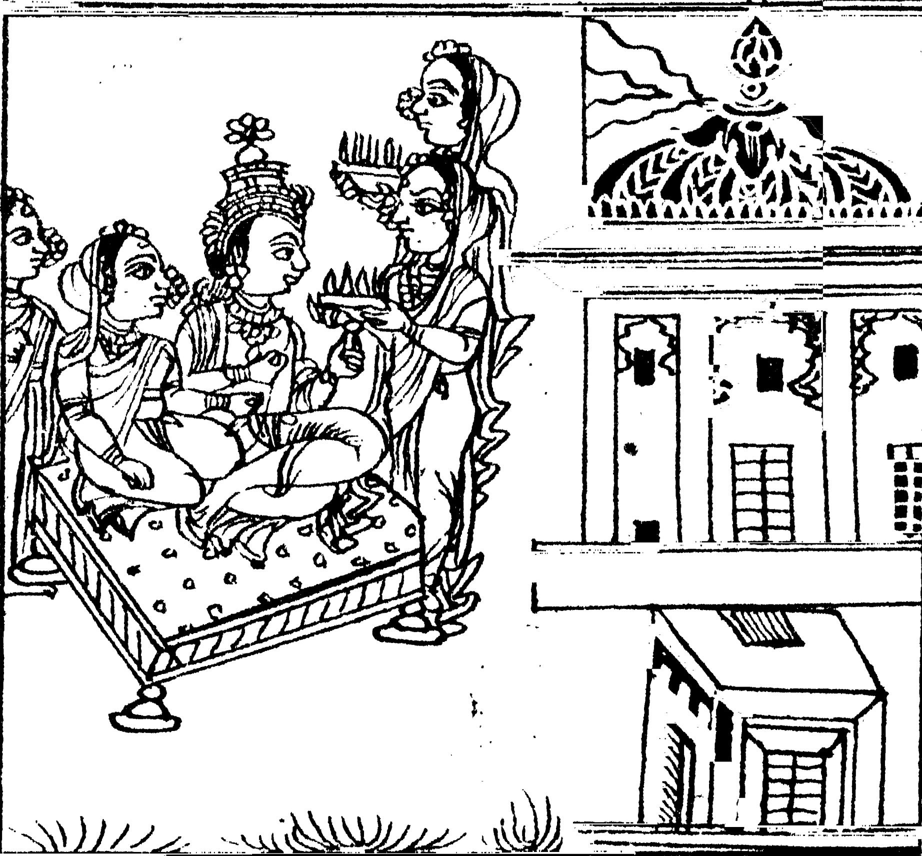
[illegible] है.

[illegible] मंगेलजल

है.

तहां लाल अंकुर की [illegible] मंगे ली है तहां सकल

[illegible]



हूलनकोडोरमेंहें ताकोंके नानाप्रकारकीसा
मग्रीकरागेगायेहे. तहां [illegible] उलमें श्रीय
मुनाजीकेतीरमेंकुंजमंदीरमें पौढाये हें तहां
श्री[illegible]गोपीपाय पलोटतहैं तहांश्रीस्वा
मीनीजीपौढेथकेहे.

ताकेपदंमल्हाररागमेहे.

तहांराधीकेभार श्री [illegible] रजीनेउठायेहें तहांते
सांझकेंश्री[illegible]जीपेहे त[illegible]रेयसोदाजु





नेडि पेजन में तेदूर्इ है करे है सो दहमें दधी लागो
रह्यो है. सो श्रीठाकुरजी सों [illegible]
ना[illegible] गार धरायो हैं तहां नाना केरके
आभूषन पहराये हैं पाछें नाना प्रकार के
[illegible] छै हैं तहां [illegible] हैं
तहां गायन लें जलपान कराये हैं.

ताकु पास [illegible] रजन है.

तहां नाना प्रकार [illegible] श्री पलटे जीनें फल
जो देरयकें मार्यो है तहां सांडी रजत है तहां षेलमें
श्रीठाकुरजी श्रीदामा सषा सों हारे हैं तप श्री
ठाकुरजी [illegible]
यें कु परे पास [illegible]
नें यह सुनीकें मनमें ज[illegible] तषे हंस्यो है पाछें
श्रीस्वामीनीजीनें श्रीठाकुरजी सां [illegible] कह्यो
ह कहा लीला है तप श्रीठाकुरजी जापें हारि
पड़े कारन गइ हैं श्री [illegible] समन्ये

नहीं ये है. तहां भांडीरकूप है. तहां गोकुलती
र्थ प्रकारके [illegible] दूरि करे है सो कूपको जल श्री
बलदेव [illegible] ठाकुरजी पान करते तहां कुंड है त
हां नाना प्रकारके द्रुम वेली छाय रही है.



ताकुं पासा खेलीके लीगां है.

तहां श्रीगुसांईजी श्रीठाकुरजीकों जगाये है.
तहां बेलवनमें [illegible] कूप जल है. तहांते सामे

गौसीधी करीके श्रीठाकुरजी धन भक्तनकों या
दीहै से तहां बलीताजीकुं पधराय लाये हैं तहां
मालामें डारके सुंदर मन भक्तनकों दीये हैं.



ताके पास लाडु जलो है.

तहां नदियां रे है तहां मे ध्यान समय गायनकुं
जलपान करायो है तहां श्रीवल्लभजी श्रीठाकुर
जी कुं स्नान करायो है तहां पडे जडे हैं सो है. ता
केनीचे श्रीठाकुरजी ग्वालमंडली करीके छाक
आरोगते तहां ग्वालनकुं राखे कंदास्य. जोहल

साक्षी येहै तहां गाय तब श्री प्रभुनाथजीके संग
गये हैं चांदनी तहैं. तहां व्रजभक्तनकोंसु
खदियो है. सो तहां अेक समय श्रीठाकुरजी
नें मान कियो है [redacted] भक्तनने मान मन
यो है [redacted] नी है जो
जानुतें तुम मान मत करो तहां व्रजभक्त
नके मनोरथ सो घोड़ो हो है [redacted] करन
नेहै. तहां गाय गोप सबवडे गनामें लिये हैं
तांपाछे श्रीठाकुरजी श्रीबलदेवजी हूं दो जे
ठें पधारे हैं सो गाय गोप सब वनमें मिले
हैं. तहां दावानल अग्नी उठ्यो है सो अग्नी
देखीकें सब डरपन लागे तब श्रीठाकुरजीसं
पानकीं कहेजे. मनोर [redacted]
अग्नी पान कर गये हैं. तब सबनने ने बोले
सो देखें तो अग्नी कहूं नाहीं तब सबनने श्रीठा
कुरजी ईश्वर गायविदे परलहे:



ताकेपासडांगोली

गाम है.

तहांसघान श्रीजीबैठकहै. तहांश्रीठाकुरजीला
ठीभूलेहैं. तांकुं गहवरवनहोयहै. तहांश्रीस्वा
मीनीजीनें मानकीयेहै सो मानकरीकेबैठी
हैं. तब श्रीठाकुरजीनें मानमनायोहै. तहांश्री
स्वामीनीजीकी बैठकहै. तहांश्रीव्रजरायजी
महाप्रभुजीकीबैठकहै. तहांनानाप्रकारकीकुं
जबेलीहैं तहांनानाप्रकारकीलीलाश्रीठाकुर
जीनें श्रीस्वामिनीजीसहीतकीनीहै. तहांव
नसीक्याबीहार करीकें प्रब [illegible]
हैहै तहांनानाप्रकारकेकुमलकमोदनीके
फूलफूलीरहेहैं. तहांगहरोजलहै. तहांश्री
यमुनाजीकीलहरहैं.

ताके ओसारे श्री[illegible]है.

तहां भाजीके [illegible] है [illegible] हां श्रीगुसांईजीको
रासखोला [illegible] है तहां श्रीगुसांई
जीनें नानाप्रकार [illegible] कें श्री
ठाकुरजीकों जलकलसनसौं [illegible]ति आरोगाये हैं
ताके पास ओर [illegible] है. तहां श्रीठाकुरजीनें अ
छरायता [illegible] हां [illegible] छ जनको धारेहे. तहां
मध्यांनसमय अछरानकों जलपानकराये
है. तहां हांसनकोंसतां है. तहां छोंकरके प्रहै है.



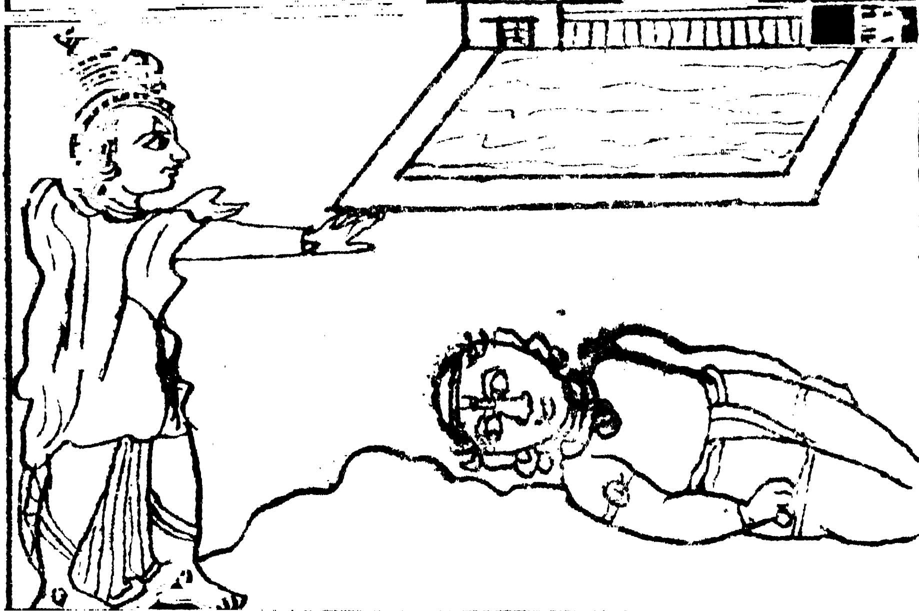
ताकेपास लोहवन है.

तहां कृष्णकुंड घाट है तहां श्रीठाकुरजीनें लोहजं
दैत्यकों मार्यो है. तहां [illegible]ठाकुरजीनें लोहकोदां
न कर्यो है. तहां [illegible] तप
स्या कीयो है. तहां कृष्णकूप है. तहां श्रीयसोदा
जीनें श्रीठाकुरजीकों [illegible] है तहां लोहात
थानीलमणी तथा [illegible] को दान करायो
है.



ताकेपासत्यो कुयन्नहे.

तहांहू भ्याहुं [illegible] नें लोहप
सुरदैत्यकोंमार्योहै. तहां [illegible] के.
कोतहांन्हायोहै. तहां ज्याहमाकें असनकुंछि
कुंकीतपस्याकरीहैंहैं तहांकुंडहै. तहांश्री
यसोदाजू नें श्रीठाकु[illegible]कें श्नान करायेहैं. त
हांलोहयष्टितानीलमणी लथालयालय पस्न
होयानकरायेहैं.

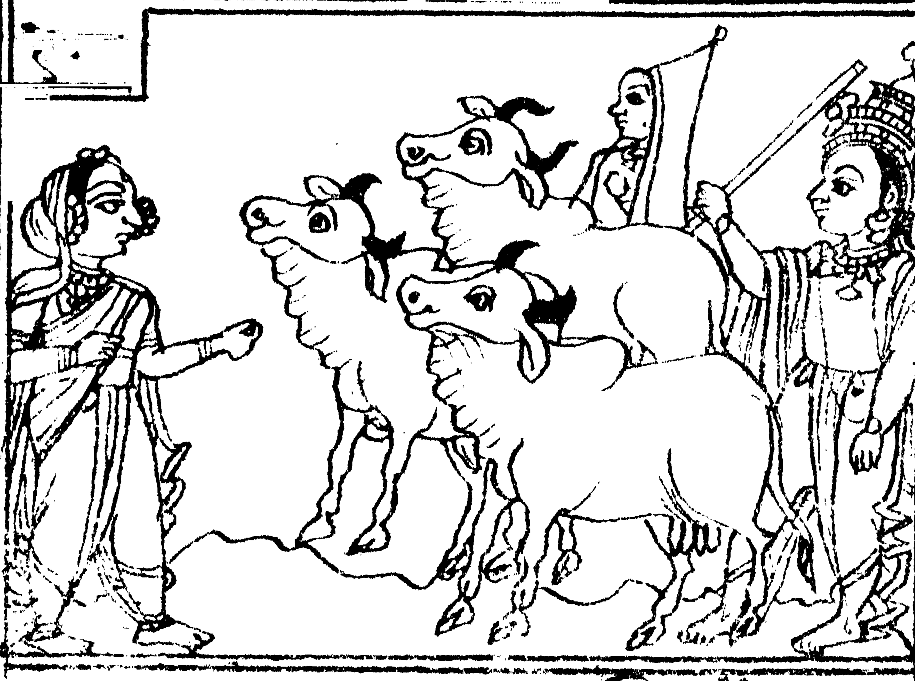


ताकुं पास गोपालपुर गांम है.

तहां श्रीठाकुरजी गोचारन करत लीला करी है तहां

मल्ल लरनें श्रीठाकुरजी बलदाऊजी पधारयो

है.



ताकुं पास रायपुर उपवन है.

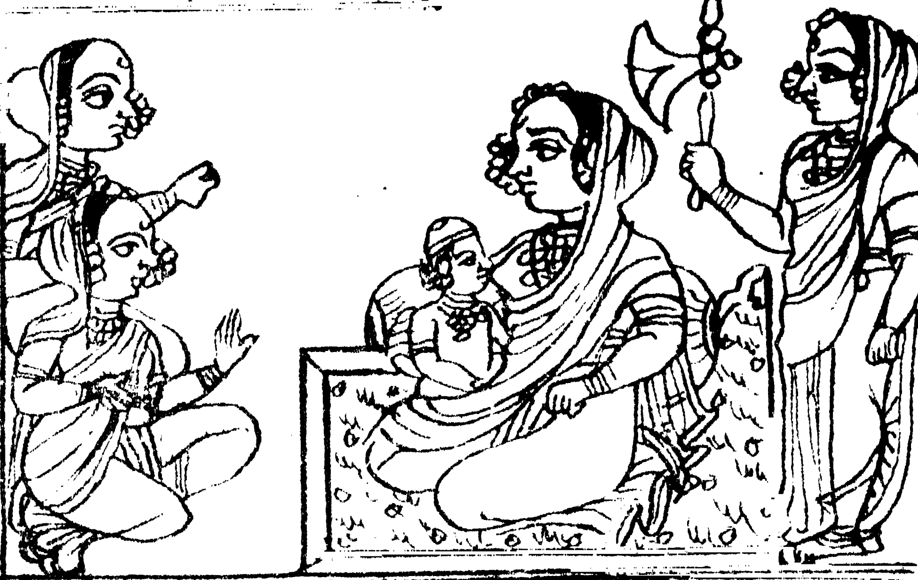
तहां श्रीठाकुरजी नें विश्राम कीयो है तहां कान

राम में [illegible] रहीहैं तहां कनमलयो है. पा

छें श्रीगिरतीजी पेटी कुं लेकें अरसाने में पधारे

हैं. तब श्रीगिरधरायजी श्रीठाकुरजी कुं लेकें जंद

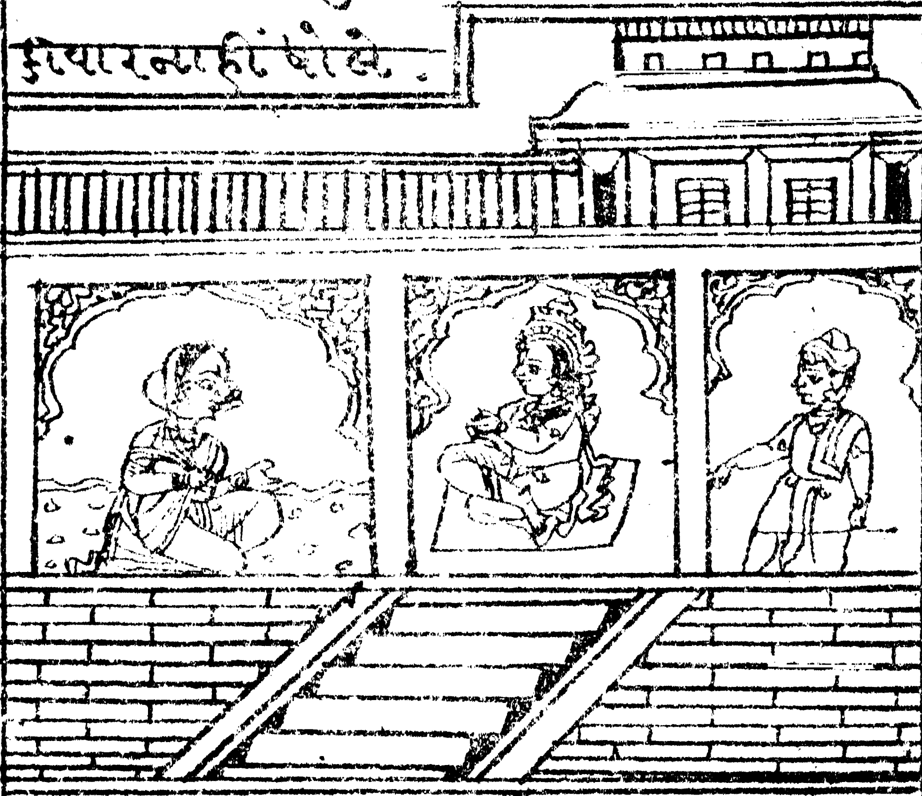
गांम पधारेहैं.



ताकुंपासजुटीयाकेषैरहेहैं:

ताकेअेठाकुअकुमारा पतीसपीकुतीताके
घरश्रीठाकुरजीपाडोकुरीकुंअेठाकुंस्वरूपधरी
केपधारेसोडेपकुरीसोंकुंहअे मछरीयामेंविचर
अेकुसेन रत रेतोकुतेंरअेराकुं स्वरूप
धरीनामलेकेंपुकारे ताकुंतू छिठअसोमारी
गो[illegible]ती पोंजियो यहकुहीकुंपर्कुनिज
हेकुंपासपधारेतजडे रीजेंगाढेकुंपरल

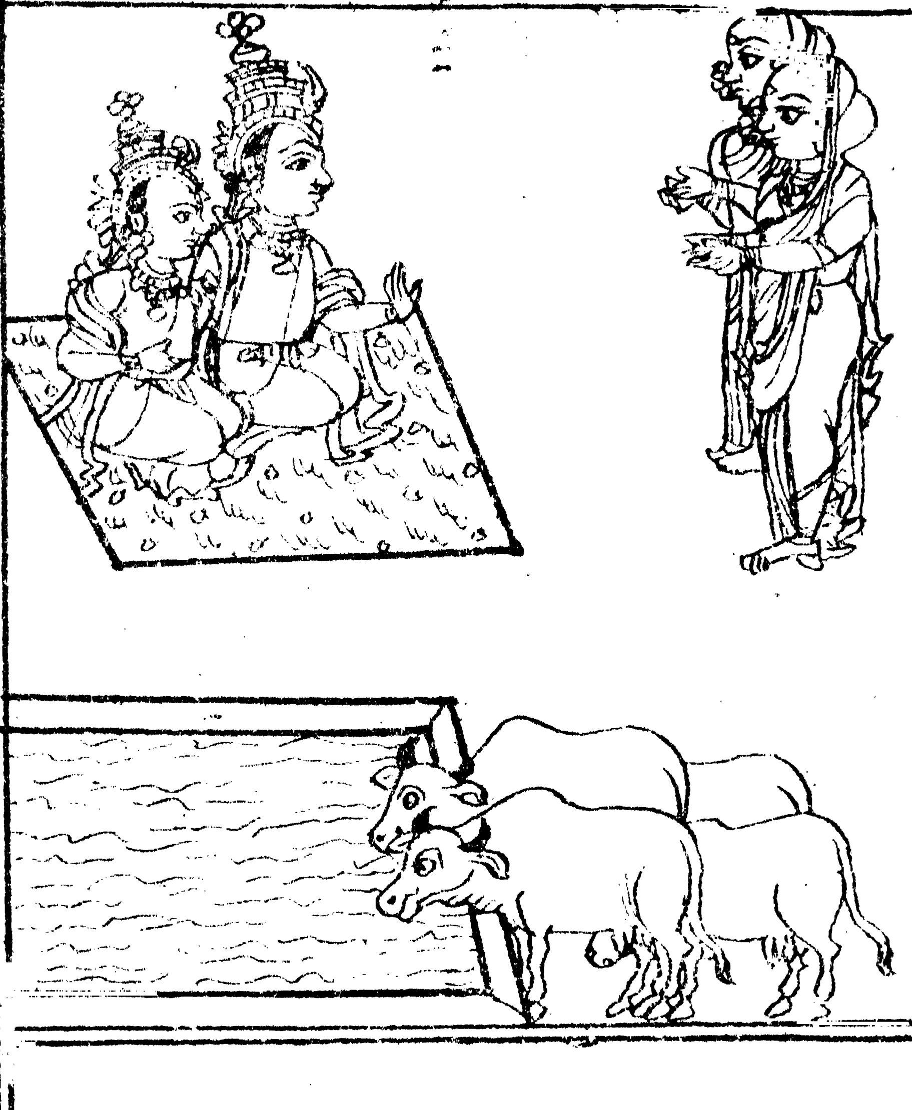
गत्यकेंमैंढिपोछंसाडोमेठाजायोसोजु
रनुडास्योंपरंतुपाडोकुरिलेंपैठनसोंसक्यो
डापारनाहिंपोले.



ताकूपेरजंघीगजाहे.

तहांजंघीजनंहीघोयोढ़जीनकुस्यईपेहे जे
श्रीजंदसायजीके घरकुगिणेजरहारीहें. सेजार
गायनो गोकुकूँपेराक्षेजनोंजनीकेस्रीजर
कुरजीके श्रीजजंदे जी. देवेजीनजेंकुहान

करहतीं भांत्य नेमसों दरसनकरतीं. तापर
छीं कलसेतीं तहां जं दीस्नानदीकुंडहे. तहां
गायजकरानकों लख्यपानकराएहे:



ताहिं परि श्रीजलसेंहपलु
गांमहे.

तहां श्रीजलसेंहपरु पीरालेहें सो श्रीगोकुल
तेंचारी ॥ सहे. जेम ... [redacted] मांगलेहे
तीनकों मनपांछीत लेहलेहें. तहां श्रीगोकुल
[redacted] हें माखन मीश्री
डुधपडुकोहांउतुलीहें अरोगाओहें [redacted]
रजोरहू बालामेंकुरकीसामग्रीसब डिजलस
बडीकुरिहें अरोगावेहे. तहां श्रीयलेहपलु
डिलगीयेहे. तहां श्रीरेयतलु सहीतला
लामुकु [redacted] गीयीमें लीलाकुरीहें तहां
जलहलकु [redacted] हां लुलजीहपाकु लहे.
तहां ते श्रीजिलों [redacted] श्रीरेयतीलु प्रगारल
सेहे.



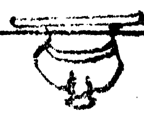
ताकुं [illegible].
तहां श्रीनंदरायजीको जो घर हे. तहां सगरे
बडे. बडे गोपगोपीनसों . नंदरायजी सहीत बैठते
तहां श्रीजसोदाजी श्रीठाकुरजी [illegible]
जाय श्रीनंदरायजीकी गोदमें बैठते. तब श्री
नंदरायजी परमप्रीतीसों षेलावन करते हे
पर [illegible] तेसो श्रीठाकुरजी मांगते सो घरि
देयहु. [illegible] कें गोपहु हेहें कछु चं

न श्रीनंदरायजी आयसो ढोटा हैं ताके घरजे
सो पुत्र को प्रागट्य भयो है.



तो पैरें चीतो हरन घांट है.

त [illegible] जी तो हरी है



ताके पास जो ल्हांड घांट है.

तहां श्रीठाकुरजीनें भूतीकूं पाहि हे तब सब
नें श्री जनतें पजीमें जायके श्रीयसोदाजीसां

कु हाथन श्रीकृष्ण ने मारवेके हेत पठायो सो दाउ
जा कुरी लेकें श्रीठाकुरजीके [illegible] डारि [illegible]
श्रीयसोदाजी कहे कन्हें तें माटि क्युं खाइ है तब
श्रीठाकुरजी कहे मैं मेतों माटी [illegible] खाइ मेरो
मुषमें देषिके कुलजा श्रीठाकुरजी नें मुष दीपे दयो
सो श्रीयसोदाजी देषिके यस्मत होय रहि जसो देषे
तो मुषमें तीन लोक दीसत दीप नाग षंड सब मु
षमें दीष्यो सीतर हे.



ताकेपासमह[illegible]है.

को श्रीमंदिरदायचकी केगांवहे. त[illegible] [illegible]छगो [illegible]

रहै तहां श्रीयसोदाजू सषांनकों [illegible] मनोरे
[illegible] सबेरे [illegible] दहुंनीये [illegible] गोलोके [illegible]
आछे जो पाछें लुष [illegible] यतो सामग्री [illegible] रांगाणी
यो पाछें [illegible] कोंनीकें राषीयों में तुमकों
सांझ कूं [illegible] ठाकुराणी [illegible] रथनकुं लीन
के सामग्री श्रीयसषा [illegible] पासंघ [illegible] तहां
श्रीनंदरायजीकुं [illegible] पीतलोंहे तहांसे
पा [illegible] तहां श्री ठाकुरजीकुं
[illegible] न [illegible] ह पेली
हें ताकुं [illegible] पर्व [illegible] पछेहे.



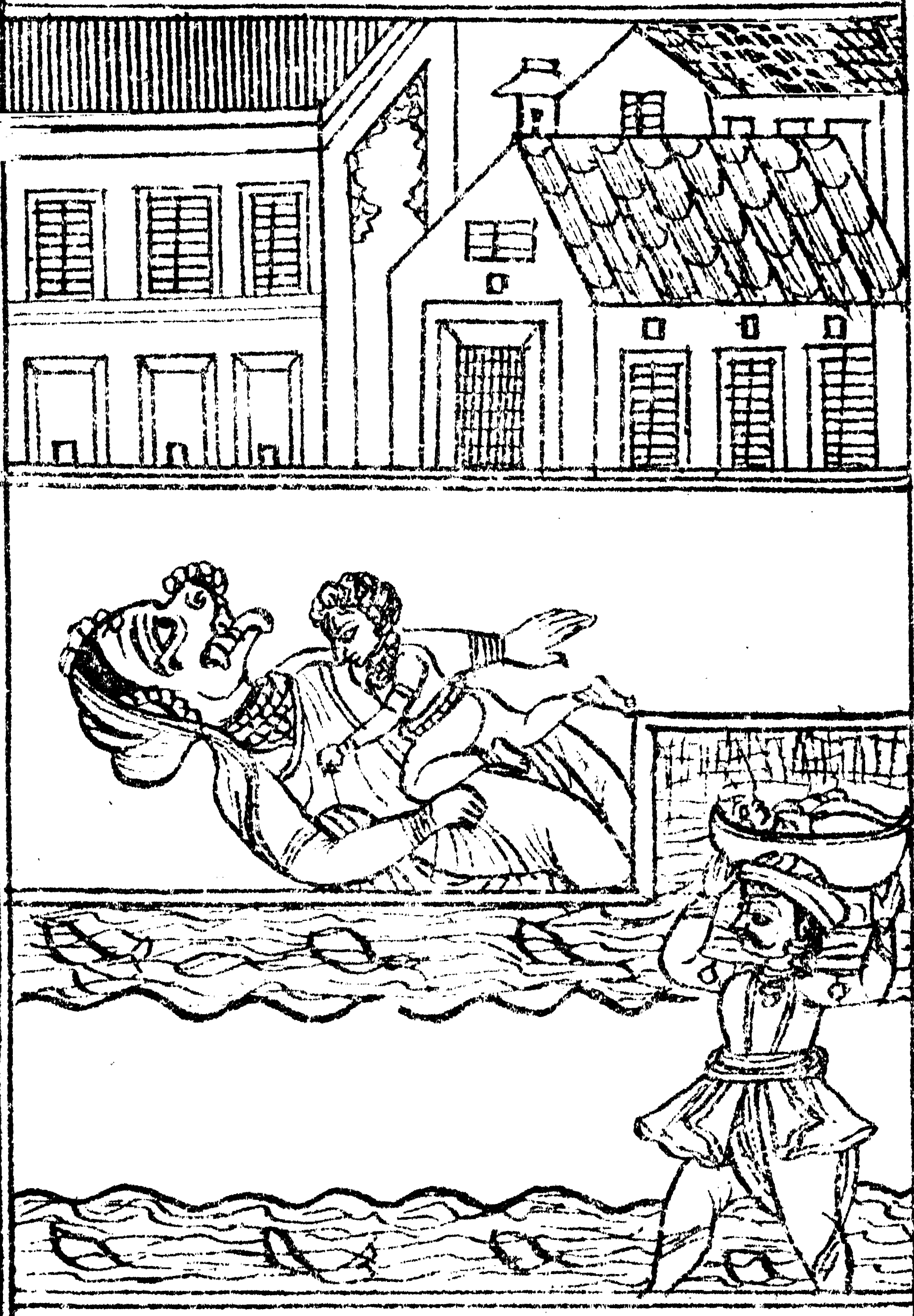
ताके पास श्री नंदरायजी की सींगपोरी है ताके
सीतरगां ह[illegible]जौहे [illegible]हां देषी [illegible]पन कीठोर है त
हां श्रीठाकुरजी को छरी पूजी है त[illegible] देषी म[illegible]
रीके श्रीयशो[illegible]जी ने माष[illegible] श्रीठाकुरजी को मांडी
यो है. ताके पास [illegible]कु रजी के परबना की ठोर है
तहां असखी पंथ्यो है. ता पास स्याम मंदिर है.
तहां श्रीठाकुरजी की लाल छेदि है. ताके पास कंध
कूप है [illegible]सो [illegible] पतीनि [illegible]
ये [illegible] तेंकें कूपको पूजन कीयो है ता पे
सक[illegible]स्वार्भु नाकी [illegible] है. तहां श्रीठाकुरजी दा
मो[illegible] [illegible]की अकुरी [illegible] [illegible]
कुमरको [illegible] रडीयो है. ता पास श्री मथुराना
थजी श्री द्वारि[illegible]नाथजी को मंदिर है सो श्री नंद
रा[illegible]जी के [illegible]कुरजी हैं ताके पास [illegible]हांम
ज्लवा[illegible] श्रीठाकुर[illegible] ताकुं आमें फूल[illegible]
[illegible]. तहां फूलनाकों मारि है. ताके पास श्री नंद

रायजु डिगायनको पेडाकहै तहांगोपरको
हीलैहै. ताकेपासरमणस्थलहै. तहांश्रीपद
है श्रीठाकुरजु घुटुरुवनचलिवेलाकुदीहै.
तहां अनन्तनालके संगमसाकुंडहै. तहां
गोपीजनकेन्यारेन्यारेचरनके मंडलहै. त
हांश्रीठाकुरजीनेंनालाअंकुरकेसुं अनन्त
रूपकीदीनेहें. ताकेपासश्रमघाटहै. त
हांश्रीजमुनाजीमेंतरथीहातकुंडहै ताके
पासगोपकूपहै तहांसोमोतीखमरासाय
गरोमहात्मैहै तहांतें श्रीनाजहुं तंलडोलाते
केकुंदही कीसीधीहोयताकुं पासजारद
हीलोहै. तहांतारहजुगोनकुरतेताकेपा
सगोरधीपस्वामीकुगजनकरीयेकुंदोलाहै
ताकुं यशोदापयनाघांटहै. सोतहांपूतनाकुं
पहुंडायोहै. सन्तीरोहुसें पेलकुंडिपास
हिसे गोपीजनकूं दीकैं जडो आश्चर्य

गयो तब कोठरि के ही। ले श्री ठाकुरजी को
सुखमयी स्याकि छतिले जागयो ला
ते पट के खड़का होय तू रोन्हये सो कोठरी ला
ग ही के किंवार लागे तातें कोठरी मांझ
तहां ही के जो रहू सगरो जा लिखि न्यय गहे
जो श्री मथुरेश जी श्री ठाकुरजी को लेके तब
घर में के सकल बजाये तब मथुरेश
जी श्रीप्रभुनाथजी ने वैठे तब नवाई
कहा ठाकुरायो। तब मथुरेश जी कोठरी में
ज ब तहां ताते याथा रखके कोठरी के लाते
में कुलोले कोठरी तानाहीं परंजु द्वारा
नके की रक्षा कोठरी की तब श्री ठाकुर जी के
चरन पर सकरी के श्री प्रभुनाथजी ने खाई
दिये तातें कोठरी मांझ तहां है। ताके पा
स एक जल धारे हैं। ह्यां श्री गोकुलनाथ
जी नी इस पर जिंदल के [illegible] के पासजी

ऐश्वर घाटहै. तहांहोयकें श्रीवसुदेवजी कूंगोकलमें पधरायेहैं कृष्णकूं मथुरासेंगये हैं. तांकेपासठोयेंश्वर महादेवजीकी बैठकहै. तहां जानलोटोलेटेहैं. तहांके पत्तानमें अनेकप्रकारकेहुलसिजातमेंज नोहैं. कैलबकुंगिपर्यापडतीहै. तांकेपास वंसपीटहै. तहां श्रीठाकुरजीनें अपनेहाि थांसुरीकुंगरलपाईहै.





ताकेपासकूणछेदकूपहे. तहांश्रीठाकुरजी
कोगर्गाचार्यनें नामकरनकीयोहे. ताके
पासयसोदाघाटहे. तहांश्रीठाकुरजीपु
तनाकेपयपानलीलाकरीहे. तहांश्रीयसोदाजी
नीसरछिमन. धोयोधोयवेकोंपधारतीसो
नलश्रीठाकुरजीपानकरते ताकेपासश्री
विठलनाथजीकोमंदिरहे. ताकेपासश्रीम
दनमोहनजीकोंमंदिरहे. ताकेपासश्रीमा
धोरायजीकोमंदिरहेसोस्वरूप[illegible] राखोम
हैं ताकेपासश्रीकल्याणरायजीकोमंदि
रहे. ताकेपासश्रीगोकुलनाथजीको.मं
दिरहे. ताकेपासश्रीगोकुलनाथजीकीबै
ठकहे. ताकेपासश्रीहवेरहे. ताके[illegible]
नवनीतप्रीयाजीकोंमंदिरहे तहांश्रीजिउस्य
छिकीबैठकहे ताकेपासरघुनाथजीकीबै
ठकहे ताकेपासश्रीद्वारकानाथजीकोमंदिर

है ताके पास श्री आचार्य जी महाप्रभुनकी बैठक है. ताके
आगे आचार्य जी ... नवनीत प्रियाजी को पा
लने ... ताकी दहिनी ओर जन्माष्टमी ... थ
मही जे है. ता. पास श्री आचार्य जी महाप्रभुनकी ...
... है. तहां श्री आचार्य जी म...
... जी को पीढ़ी पे को पौढ़त
रा है ...
राजे को प्रगट होय के ... है. तहां ...

... श्री आचार्य जी ... है. तहां
... अंगीकार ... है. तहां ... आचार्य
जी ...
जी ... है तहां ते पुरुषोत्तम प्रगट भयो है. ...
... आप श्री आचार्य जी महाप्रभु
नित्य संध्या वंदन करते ... है. तहां
... श्री ... लक्ष्मण सहित ...
...

दन करते ताके आगे दीयो · लक्ष्मणजीको मंदीर है ताके
पास श्रीआचार्यजीको मंदीर है · ताके पास श्रीमथुरा
नाथजीको मंदीर है · ताके परे जठअंत्लाको घाट है त[हां]
गोवछरानकों जलपान करा ये हैं आप · श्रीबलदेव
जी श्रीठाकुरजी सखान सहित जलपान करे ये हैं · ता
के पास चौगान पै याही ठौर · तहां चौगान खेले हैं · व
हां छाटे रथको दोराये हैं तहां गोपीजनने श्रीठाकुरजी
को नाना प्रकार के खिलोनान सों खिलाये हैं · तहां श्री
नंदरायजीकी गोनको खिरक है · तहां संध्या समय गोदो
हन करते ताय ह श्रीगोकुलजीकी परिक्रमा मे धाम · प



पारे म्हारान्नय विश्रांतिस्नानहरिश्रीन्नाथायीजुम हाप्रलुनहाँ जै छहै तहांलोगधरनो पा ै यथासन्न ज्याम्हणल्नोलन्न व्वने पाछें हस्सनारहायल्लेरनोंप छें ओरहामह [illegible] गोकुलनाथजीकृतसंपूर्ण [illegible] ब्रजके [illegible] ज्यस्थलक हते है॥

प्रथम जन २

[illegible] कुमोदवन [illegible] वृन्दावन ४ काम्य वन ५ [illegible] वन ६ [illegible] वन ७ [illegible] वन ८ भांडीरवन [illegible] बेलवन १० लोह [illegible] वन १२॥ [illegible] उपवन २४ गो [illegible] महाउ [illegible] डिंगळसेससाईट [illegible] गांम १० जेलनवनपप श्री [illegible] ड १२ गंधर्ववन १ [illegible] सा १४ विन [illegible] १५ वछ [illegible] ट आं जो नोंद र १९ [illegible] पिसनयो २० कोकिलावन २१ दधि वन २२ [illegible] ब्रजमें॥२॥

॥ रामलाल मरवारातालरा॥

॥श्रीबलदेव ग्रन्थ में॥७॥

रांडपेलस१ नंदगाममें२ अडींगमें३ जैतगाममें४ विलास न-
में५ लछमीनगाममें पुनरीसेमरीमें ७ श्रीठाकुरजीकस्थानकीठौरख-
जेमें श्रीगोकुल [illegible] श्रीगोवर्द्धनकी सिला
पर २ सुरलीकुंडपे ३ नंदगाममें ४ हाथीपदपात्स पत्थर
[illegible] श्री ठाकुरजीके
२ गायचरानोंपरावलीरा॥ ॥पोखरनिप्रक्रमें ३॥ ॥
कुसमोखरी१ चन्द्रकोखरी२ पीरीपोखरी३ पिसायप्रे
[illegible] ॥देवीप्रकरमें७
वृंदादेवी१ संकेतदेवी२ उपकन्देवी३ भगवती [illegible] ४ विमल-
देवी५ कात्यायनीदेवी६ नोवारीचोवारीदेवी७॥
॥कुंडजलमें५॥ ॥गांव [illegible] लीके१ करहलाकी२ सुन-
हराकी३ नंदगाम [illegible] गोवर्धनस्वामीकी५॥ ॥लीलाप्र-
में [illegible] रहालीलाप [illegible] ॥ [illegible] गोवप्रक्रमें८
लूंनेश्वर१ गोकुलेश्वर२ कुंडेश्वर३ [illegible] ४ नंदीश्वर [illegible]

गोपेश्वर ६ ङ्कमेश्वर ७ त्रिश्वर ८ ॥ पर्वत ब्रजमें ॥ गोवर्द्धन

बरसानेमें नन्दगाममें व्यरन पहाडी ३ सखीय्यरन पहाडी ५ ॥ फीं

डोराडी हौर ब्रजमें ६ ॥ गोवर्द्धनपर्वत चिपरी १ ड्रदकमें २ लके

ठेंकु ऊंकु लोगरी भैंरु कुरपुरी जेंपुरी कुंडके जुगा ॥ सरोवरी

ब्रजमें ॥ मानसरोवर १ पानसरोवर २ प्रेमसरोवर ३ प्रेमस

रोवर ४ ॥ समुद्र ५ ॥ कूपे १ यश कूपे २ कूप ३ कूप ४

नन्दकूप ५ लांडी कूपे ६ कुन्द कूपे ७ करण कूपे ८ कृष्ण कूपे ९ कुब्जा कू . गोप

प्रसिंगासन ६ ॥ विष्णु ॥ [illegible] ॥ यौ

[redacted] लाल नन्द्यारामें लुकु लुकु रामें ॥ नन्द [illegible]

गौर [illegible] ॥ सिला ११ ॥ सिंदूरीसी

[redacted]

ला १ ... रसिला ३ सुंदरसिला

४ शृंगारसिला ५ सुं[illegible]सिला [illegible] ला ७

जिसर [illegible] चित्रसिला ९ ... सिला

१० डानीसिला ११ ॥ ॥ दानसीला क्रीडौर ॥ ६ ॥ ॥ क्रड

लामें १ गाय [illegible] नमें २ दानघाटीपे ३ सांक्र [illegible] गह र

वनमें ५ ॥ इतनेमें ६ ॥ ॥

॥ श्रीआचार्यजीमहाप्रभूनकीबैठक २२॥ गोकुलमें १ म-
धुवनमें २ [illegible] ३ वृन्दावनमें ४ श्रीकुंडपे ५ गोवर्द्धन
[illegible] ६ गोविंदकुंडपै ७ गोपालपुरमें ८ पूंछरीसिलापे ९ काम-
वनमें १० गह्वरवनमें ११ संकेतमें १२ कोटवनमें १३ नंदगाममें
१४ कोकिलावनमें १५ चीरघाटपें १६ मानसरोवरमें १७ भंडी-
रवनमें १८ [illegible] सरोवरमें १९ चक्रतीर्थपै २० सुनहरा [illegible]
जखेडीमें २१ मथुरामें २२॥

॥ श्रीगुसांईजीकीबैठक व्रजमें ९॥

श्रीकुंडपें १ रासोलीमें २ गोपालपुरमें ३ सुरभीकुंडपै ४ पैठा-
सोलीमें ५ संकेतवटमें ६ टोकरीपे ७ मानसिलापे ८ श्रीगो-
कुलजी ९ ॥ व्रजमें कुंड ८४ प विमलकुंड १ धर्मकुंड २ पञ्च-
कुंड ३ पंचतीर्थकुंड ४ मनकर्णिकाकुंड ५ यसोदाकुंड ६ [illegible]
कुंड ७ [illegible] कुंड ९ रेवलअंधरामेश्वर
कुंड १० मनोदधिकुंड ११ क्षीरसागर १२ जलविहारकुंड १३ [illegible]
कुंड १४ पुस्करकुंड १५ द्वारिकाकुंड [illegible] कुंड १७
गोपीकुंड १८ कासीकुंड १९ मोतीकुंड [illegible] सिंधकुंड २१

सरस्वती. ६२२ पेरमहरा. ६२३ [illegible] तकुंड २४ रेमकुं
ड२५ [illegible] कुंड २६ गुलालकुंड २७ संकेतकुंड २८ सुरली
कुंड २९ सीतलकुंड ३० रंगीलोकुंड ३१ छबीलोकुंड ३२ [illegible]
वीला. ३३ [illegible] ३४ सेताकुंड ३५ [illegible] कुंड ३६ बि
साखाकुंड ३७ बेम्या. ३८ लोगकुंड ३९ संकरषण.
[illegible] कुंड ४० [illegible] कुंड ४१ [illegible] कुंड ४३ बे-
ल्लनकुंड ४४ [illegible] कुंड ४५ केदारकुंड ४६ दोहनीकुंड ४७
माहनीकुंड ४८ किसोरीकुंड ४९ ललिताकुंड ५० अप
छराकुंड ५१ [illegible] ५२ राधाकुंड ५३ जुगलबिहार
कुंड ५४ सांत [illegible] ५५ नारदकुंड ५६ शृंगारकुंड ५७ हर-
हार. ५८ अयोध्याकुंड ५९ पारनकुंड ६० बामनकुंड ६१
रिणमोचन. ६२ पापमोचन. ६३ धर्मगोचनकुंड ६४
गोरोचन [illegible] ६५ [illegible] ६६ बराहकुंड ६७ [illegible] कुं
ड ६८ [illegible] नीकुंड ६९ मो [illegible] नीकुंड ७० स्वामिनकुंड
७१ रत्न. ७२ गोविंदकुंड ७३ गयाकुंड ७४ [illegible] कुं
ड ७५ स्यामकुंड ७६ रुक्मिनीकुंड ७७ सतिलामाकुंड

७८ यमुनाकुंड ७९ गोमतीकुंड ८० नैमसारण्यकुंड ८१
जंबतां. ड८२ गरेडकुंड ८३ ब्रह्मवल्लालकुंड ८४ ॥

॥इतिश्री व्रजयात्रापरिक्रमा ८४
चौरासी कोसकी संपूर्णः ॥